जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 192 प्रभात चूरू, गुरुवार 10 नवम्बर, 2022 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

मौसम दिन प्रतिदिन बिगड़ता जा रहा है, लम्बे समय तक लू चलना और सूखा पड़ने जैसी घटनाएं बदतर होती जा रही हैं जिससे जानवर अलग-अलग तरह से प्रभावित हो रहे हैं। एक नए शोध में सामने आया है कि, जानवरों के कुछ विशिष्ट लक्षण होते हैं जिनका इस बात पर गहरा असर होता है कि वो जानवर सरवाइव कैसे करते हैं। शोधकर्ता, युनिवर्सिटी ऑफ सदर्न डैनमार्क के ओवैन जोन्स और उनकी टीम ने अपनी रिसर्च के माध्यम से यह जानने का प्रयास किया कि, हर वर्ष बदलते मौसम का प्रजातियों की आबादी पर क्या असर पड़ता है। उन्होंने विश्वभर की 157 स्तनपायी प्रजातियों की आबादी में आए उतार-चढ़ाव का अध्ययन किया। उसके बाद इस डेटा की तुलना उस समय के मौसम और जलवायु के डेटा से की जब ये सूचनाएं एकत्रित की गईं थीं। विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने पाया कि, मौसम के बदलाव के प्रति जानवरों की प्रतिक्रिया का सम्बंध उनकी कुछ सामान्य विशेषताओं व लक्षणों से था। लम्बे जीने वाले जीव, जिनकी संतानें कम होती हैं, वे उन छोटे जानवरों की तुलना में मौसम के बदलाव को आसानी से सहन कर लेते हैं, जिनके ज्यादा बच्चे होते हैं। बड़े जानवर जैसे भालू, हाथी, अपनी ऊर्जा एक ही बच्चे पर खर्च करते हैं और दूसरी संतान को जन्म देने के लिए बेहतर हालात की प्रतीक्षा करते हैं। छोटे, कम आयु वाले जानवर, जैसे चूहे आदि, में यह खासियत नहीं होती। अगर सूखा लम्बी अवधि तक चलता है तो इन जानवरों के लिए भोजन का संकट पैदा हो जाता है। इनके पास शरीर में चर्बी का संग्रहण भी नहीं होता, जिसके आधार पर ये मौसम की चुनौतियों का मुकाबला कर सकें। शोधकर्ताओं ने पाया कि कुछ स्तनपायी मौसम की चुनौतियों से बहुत ज्यादा प्रभावित होते हैं, इनमें प्रमुख हैं कैनेडियन लैमिंग (चूहे की एक प्रजाति) आर्कटिक फॉक्स, कॉमन श्रू (चूहे की प्रजाति) व चूहे की कई अन्य प्रजातियां। वहीं, कई जानवरों पर मौसम की चुनौतियों का प्रभाव नहीं पड़ता है, जैसे, अफ्रीकन हाथी, साइबेरियन टाईगर, चिम्पैंज़ी, चित्र में नज़र आ रहा वाइट राइनॉसरस, अमेरिकन बाइसन आदि। ये नतीजे जर्नल ईलाइफ में छपे हैं।

गहलोत इतने गैर-गंभीर क्यों हैं गुजरात चुनाव के बारे में?

गहलोत गुजरात के वरिष्ठ पर्यवेक्षक हैं, पर उनका रवैया आँख मिचौली खेलने जैसा ही है, गुजरात चुनाव के बारे में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरा-

नई दिल्ली, 9 नवम्बर। राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत गुजरात विधानसभा चुनावों में आँखमिचौली खेल रहे हैं, जहाँ उन्हें वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

गहलोत की तुलना में, हिमाचल प्रदेश के वरिष्ठ पर्यवेक्षक भूपेश बघेल तथा सचिन पायलट जैसे पर्यवेक्षक हिमाचल प्रदेश में डेरा डाले हुये हैं तथा अपनी पूरी ऊर्जा पार्टी कार्यकर्ताओं तथा मतदाताओं को सक्रिय एवं गतिशील बनाने में लगा रहे हैं।

वहीं अशोक गहलोत जब भी गुजरात जाते है तो कुछ घंटे ही अहमदाबाद में रहते हैं। वे न तो वहाँ यथेष्ट समय दे रहे हैं और न पूरी तरह एकाग्रचित एवं केन्द्रित होकर काम कर रहे हैं।

यह बात समझ में आने योग्य है कि गहलोत बहुत तनाव में हैं तथा वे अपने स्वयं के अस्तित्व को बनाये रखने तथा यह सुनिश्चित करने, कि कहीं मुख्यमंत्री की कुर्सी उनकी पकड़ से छिटक न जाये, के लिये लामबंदी करने के काम पर ज्यादा फोकस कर रहे हैं।

गहलोत के लिये उनके स्वयं के अस्तित्व का प्रश्न इतना महत्वपूर्ण हो गया है कि जब मल्लिकार्जुन खड़गे प्रचार के सिलसिले में हिमाचल प्रदेश

(शेष पृष्ठ 7 पर)

- **इसकी तुलना में हिमाचल के वरिष्ठ पर्यवेक्षक बघेल व सहयोगी पर्यवेक्षक सचिन पायलट, हिमाचल में डटे हुए हैं, तथा सघन चुनाव प्रचार में लगे हुए हैं।**
- **स्वाभाविक ही है, गहलोत अपनी कुर्सी बचाने की चिन्ता से ग्रस्त हैं, तथा हिमाचल भी उस समय ही पहुँचे जब खड़गे भी चुनाव प्रचार के लिये हिमाचल आये हुए थे। गहलोत ने, मशोबरा में प्रियंका के घर में ठहरी हुई सोनिया गांधी से भी मुलाकात का प्रयास किया, पर सफलता नहीं मिली।**

श्री अशोक गहलोत, माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान का यात्रा कार्यक्रम

दिनांक 11 नवम्बर, 2022 (शुक्रवार)

प्रातः 10.30 बजे	प्रस्थान	जयपुर	*विशेष विमान द्वारा*
प्रातः 11.30 बजे	पहुंच	जोधपुर	
दोप.12.00 बजे		• विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास/लोकार्पण समारोह, स्थान-राजकीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, एयरफोर्स स्टेशन के पास, जोधपुर।	
सायं 04.00 बजे		• डिजिफैस्ट-जॉब फेयर एवं प्रदर्शनी का अवलोकन, स्थान-राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, रेजीडेन्सी रोड	
सायं 06.00 बजे	प्रस्थान	जोधपुर	*विशेष विमान द्वारा*
सायं 07.00 बजे	पहुंच	अहमदाबाद	

रात्रि विश्राम - अहमदाबाद

दिनांक 12 नवम्बर, 2022 (शनिवार)

• अहमदाबाद में स्थानीय कार्यक्रम

रात्रि 09.00 बजे	प्रस्थान	अहमदाबाद	*विशेष विमान द्वारा*
रात्रि 10.00 बजे	पहुंच	जोधपुर	

रात्रि विश्राम-जोधपुर

दिनांक 13 नवम्बर 2022 (रविवार)

प्रातः 11.00 बजे		• राजस्थान डिजिफैस्ट, जोधपुर 2022, स्थान- राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, रेजीडेन्सी रोड	
सायं 05.00 बजे		• "माणक अलंकरण" सम्मान समारोह स्थान- बैंक्वेट हॉल, होटल चन्द्रा इम्पीरियल, पोलो ग्राउण्ड के सामने, रातानाडा	
सायं 06.30 बजे		• म्यूजिकल फाउन्टेन का लोकार्पण-मण्डोर उद्यान	
सायं 07.30 बजे	प्रस्थान	जोधपुर	*विशेष विमान द्वारा*
रात्रि 08.30 बजे	पहुंच	जयपुर	

'आज़म खान की सीट पर चुनाव कराने में आप इतनी जल्दबाजी क्यों कर रहे हैं'

सुप्रीम कोर्ट ने इस सीट पर चुनाव कराने के नोटिफिकेशन को 72 घंटे टालने के निर्देश दिये

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 नवम्बर। चारों तरफ से घिर चुके समाजवादी पार्टी नेता आज़म खान को बुधवार उस समय थोड़ी सी राहत मिली, जब सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग को ये निर्देश दिये कि वह रामपुर सदर सीट के उपचुनावों की अधिसूचना के मुद्दे को 10 नवम्बर तक के लिये टाल दे। ज्ञातव्य है कि 2019 के एक हेट-स्पीच के मामले में आज़म खान की दोष-सिद्धि के बाद हुई उनकी डिसक्वालिफिकेशन (विधायक बने रहने की अयोग्यता) के कारण यह सीट खाली हो गई थी।

मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच ने रामपुर की अदालत को भी निर्देश दिये कि उनके कारावास पर स्टे दिये जाने की उनकी याचिका पर सुनवाई करे तथा गुरूवार को ही उसका निस्तारण कर दे। उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा खान की डिस्क्वालिफिकेशन प्रक्रिया इतनी तेजी से सम्पन्न किये जाने की भी सर्वोच्च न्यायालय ने आलोचना की। जब खान की ओर से प्रस्तुत हुये वरिष्ठ वकील पी. चिदंबरम ने कुछ अन्य केसों का हवाला दिया, तो उनका उल्लेख करते हुये, सर्वोच्च न्यायालय

(शेष पृष्ठ 7 पर)

- **जैसा कि विदित है, आज़म खान को "हेट स्पीच" देने के आरोप में 2019 में न्यायालय से सज़ा हुई थी। सजा तय होने के बाद दूसरे ही दिन विधानसभा ने उनकी सीट को रिक्त घोषित कर दिया, तथा आयोग ने चुनाव कराने की प्रतिक्रिया शुरु कर दी।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने इस जल्दबाजी को रोकने के लिये, चुनाव का नोटिफिकेशन जारी करने के लिये 72 घंटे का स्टे दिया, जिससे आज़म खान को अपने खिलाफ हुए सज़ा के आदेश के खिलाफ अपील करने का मौका मिल सके।**

दक्षिण भारत में राज्यपालों के खिलाफ विद्रोह उफान पर है

केरल में तो, मार्क्सवादी पार्टी, जो सत्ता भी संभाले हुए है, ने तंग आकर राज्यपाल का पद ही खत्म करने के लिये और दलों से बातचीत भी शुरु की है

-डा. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 नवम्बर। मोदी सरकार द्वारा किये जा रहे राज्यपालों के प्रचंड दुरुपयोग को लेकर दक्षिण भारतीय राज्यों- केरल, तमिलनाडु तथा तेलंगाना में एक बड़े संघर्ष की स्थिति बनती जा रही है। इन राज्यों के सत्तारूढ़ इस बात से सख्त नाराज़ हैं क्योंकि राज्यपालों के दुरुपयोग से संघवाद के संवैधानिक सिद्धांत का उल्लंघन हो रहा है।

इन तीनों राज्य सरकारों के आरोप हैं कि उनके राज्यों के राज्यपाल "केन्द्र की कठपुतलियों" की तरह काम कर रहे हैं। इन राज्य सरकारों के महत्वपूर्ण विधेयकों और कानूनों को लेकर संबंधित राज्यपालों से अनेक बार टकराव हो चुके हैं। केन्द्र द्वारा नियुक्त इन राज्यपालों के खिलाफ इन सरकारों की नाराजगी राज्यों की सरहदों को लाँघ गई है तथा सत्तारूढ़ क्षेत्रीय दल, पार्टी-लाइनों से परे जाकर, एकजुट होते तथा सत्तारूढ़ भाजपा से टकराने की स्थिति में आते हुये दिखाई दे रहे हैं।

केरल, तेलंगाना एवं तमिलनाडु में, सत्तारूढ़ दलों ने राज्यपालों के खिलाफ कई प्रकार के विरोध-प्रदर्शनों तथा पदयात्राओं की योजनाएं बना ली हैं।

तमिलनाडु में सत्तासीन डी.एम.के. (द्रमुक) ने कल तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन पर हमला बोलते हुये कहा कि वे पड़ोसी राज्य की राजनीति में "अवांछित दखलंदाजी" कर रही हैं। राज्यपाल सौंदरराजन राज्यपाल बनने से पहले तमिलनाडु की वरिष्ठ भाजपा नेता थी। वे

(शेष पृष्ठ 7 पर)

- **तमिलनाडू की डी.एम.के. सरकार ने राज्यपाल पर आरोप लगाया कि, वे विधानसभा द्वारा पारित बीस विधेयकों पर कुण्डली मार कर बैठे हैं तथा विधेयकों को कानून बनने से रोक रहे है।**
- **तमिलनाडू सरकार का तेलंगाना की राज्यपाल, तमिलिसाई सौंदरराजन, पर आरोप है कि, वे हैदराबाद में बैठकर भी डी.एम.के. सरकार के खिलाफ बयानबाजी व राजनीति करती हैं।**
- **तेलंगाना में भी राज्य सरकार व राज्यपाल सौंदरराजन के वाक् युद्ध लगातार चल रहा है। राज्यपाल ने आरोप लगाया कि, तेलंगाना सरकार उन्हे विधानसभा के संयुक्त सत्र के संबोधन आदि के परम्परागत अधिकारों से वंचित कर रही है। सरकार का पलटवार है राज्यपाल विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को आगे नहीं बढ़ने देतीं, तथा रोजमर्रा के काम काज में हस्तक्षेप करती हैं।**

खनन क्षेत्रों में ड्रोन सर्वे होगा

भरतपुर, 9 नवम्बर (निस)। खनिज अभियंता आर.एन. मंगल ने बताया कि खान एवं पेट्रोलियम विभाग की ओर से दिये गये निर्देशों के तहत भरतपुर जिले में अवैध खनन की प्रभावी रोकथाम के लिए ड्रोन सर्वे कराया जायेगा।

- **भरतपुर जिले में अवैध खनन की प्रभावी रोकथाम के लिए ड्रोन सर्वे करवाने का फैसला किया गया है।**

उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से एक नवम्बर को जयपुर में मानसरोवर की एक फर्म मै. बंसल जियो एण्ड एनवायरो सर्विसेज को ड्रोन सर्वे के लिये अधिकृत किया गया है। फर्म के अमित कुमार बंसल

(शेष पृष्ठ 7 पर)

सौम्या केस में सुनवाई टली

जयपुर, 9 नवंबर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने ग्रेटर निगम मेयर पद से बर्खास्त मेयर सौम्या गुर्जर की याचिका पर सुनवाई गुरुवार के लिए टाल दी है। जस्टिस महेन्द्र गोयल की बैंच में बुधवार को सुनवाई के दौरान समय पूरा होने पर अदालत ने सुनवाई टाल दी। सौम्या गुर्जर ने अपनी बर्खास्तगी और उपचुनाव को चुनौती दी है।

- **सौम्या गुर्जर की याचिका पर सुनवाई अब गुरुवार को होगी। गौरतलब है कि सौम्या ने अपनी बर्खास्तगी व उपचुनाव को चुनौती देने के लिए याचिका दायर की है।**

सुनवाई के दौरान सौम्या के अधिवक्ता ने गुरुवार को मेयर पद के लिए होने जा रहे मतदान का हवाला देते हुए चुनाव पर रोक लगाने की गुहार की।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

विद्याधर नगर में अतिक्रमण की बाढ़ और जे.डी.ए. की सुस्ती से तंग आकर हाई कोर्ट ने सख्त निर्देश दिए

-यादवेंन्द्र शर्मा-

जयपुर, 9 नवम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट में सीकर रोड के समीप विद्याधर नगर में दृव्यवती नदी के किनारे बने अतिक्रमणों, जो मंदिर मोड़ सर्किल तक फैले हुए हैं, को हटाये जाने के संबंध में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता विष्णु कुमार टेलर की ओर से कहा गया कि विद्याधर नगर में बसी कच्ची बस्ती में ड्रग्स का धंधा किया जाता है और यहां अवैध शराब के ठेके मैरिज हॉल और गार्डन भी चालू हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने जेडीए को लताड़ा और आदेश दिये कि जेडीए सचिव जयपुर में अतिक्रमण हटाने के संबंध में कार्रवाई करें और इस कार्रवाई से संबंधित जानकारी शपथ पत्र सहित अदालत में हर माह पेश करें। अदालत ने जेडीए को यह भी आदेश दिये कि वह लोगों के लिये हैल्प लाइन नम्बर जारी करे, जिस पर फोन कर लोग अतिक्रमण की शिकायत दर्ज कर सकें। अदालत ने अपने आदेश में आगे कहा कि जेडीए एक पोर्टल भी शुरु करे, जहां पर ऑनलाइन शिकायतें दर्ज हों और जेडीए सचिव इन शिकायतों पर जांच कर अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई जल्द से जल्द करें और उसके बाद कार्यवाही रिपोर्ट भी अदालत में पेश करें।

- **निर्देश के अनुसार जे.डी.ए. एक ऑनलाइन पोर्टल शुरु करेगा, जिसमें कोई भी नागरिक अतिक्रमण की शिकायत कर सकेगा।**
- **जे.डी.ए. को हैल्पलाइन नम्बर शुरु करने के आदेश भी दिए गए, जिस पर भी अतिक्रमण की शिकायत दर्ज की जा सकेगी।**
- **जे.डी.ए. के सचिव हर महीने इन शिकायतों पर की गई कार्यवाही की रिपोर्ट शपथ पत्र के साथ अदालत में पेश करेंगे। अदालत ने यह टिप्पणी भी की कि, अगर रिपोर्ट पेश नहीं हुई तो वह जे.डी.ए. अफसरों को "बुलायेंगे नहीं भेजेंगे।"**

याचिकाकर्ता विष्णु कुमार टेलर की ओर से अधिवक्ता विमल चौधरी के सहायक वकील योगेश टेलर अदालत में पेश हुए थे। सुनवाई के दौरान जेडीए की ओर से पैरवी कर रहे अमित कुड़ी ने याचिकाकर्ता पर आरोप लगाये कि उन्होंने अपनी याचिका में यह तथ्य छिपाया है कि उनके पिता और 20 अन्य याचिकाकर्ताओं ने अदालत के समक्ष याचिका दायर की है कि विद्याधर नगर में मंदिर मोड़ सर्किल के पास जेम्स कॉलोनी को नियमितकरण किया जाये।

इस पर याचिकाकर्ता की ओर से उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता के पिता और अन्य 20 याचिकाकर्ता सरकारी जमीन पर अतिक्रमणकारी हैं। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान पी.आई.एल. के माध्यम से याचिकाकर्ता अपने भूखंड को बचाकर जेडीए से नियमितिकरण कराना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि अदालत ने इस जनहित याचिका के साथ जेम्स कॉलोनी के सभी याचिकाकर्ताओं की सभी याचिकाओं को अदालत में पेश कराने के आदेश दिये थे।

अधिवक्ता विमल चौधरी ने कहा कि नियमितिकरण करने के लिये याचिकाकर्ता के पिता ने याचिका दायर की है और उन्होंने स्वयं नहीं की है। उन्होंने कहा कि उनके पिता और अन्य 20 याचिकाकर्ता अतिक्रमणकारी नहीं हैं और ये सुप्रीम कोर्ट तक इस मामले को जीत चुके हैं। उन्होंने आगे बताया कि जेडीए ट्रिब्युनल ने 2012-13 में याचिकाकर्ता के पिता के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा था कि जेम्स कॉलोनी में उनके भूखंड को नियमित कर दिया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि यह सब तथ्य जानने के बावजूद जेडीए उनके पिता और जेम्स कॉलोनी के अन्य याचिकाकर्ताओं को अतिक्रमणकारियों की श्रेणी में ही देखती है।

उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता अपनी याचिका में से यह भाग कि "जेम्स कॉलोनी का नियमितिकरण कराया जाये" को हटाने को तैयार हैं, परंतु अदालत इस पूरे क्षेत्र में से अतिक्रमण हटाने और अवैध धंधों को बंद कराने पर दायर याचिका पर सुनवाई करे।

विमल चौधरी ने कहा कि जयपुर में 1982 से, जब जेडीए की स्थापना हुई थी, तब से ही लगभग 80 प्रतिशत

(शेष पृष्ठ 7 पर)

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

प्रकृति, पर्यावरण और आयुर्वेद का अद्भुत संगम

सचमुच प्रकृति, पर्यावरण और आयुर्वेद का अद्भुत संगम है। मानव जीवन के लिए तीनों कारकों के एकाकार होने की आज के समय महती जरूरत है। इससे प्रकृति को जहाँ साफ सुथरा रखा जा सकता है वहां पर्यावरण भी हमारे अनुकूल होगा जिससे आयुर्वेद को भी संरक्षित रखा जा सकेगा। जो मनुष्य प्रकृति के जितना अधिक अनुकूल है। स्वास्थ्य की दृष्टि से वह व्यक्ति उतना ही अधिक निरापद एवं व्याधियों के आक्रमण से दूर होगा। मनुष्य का आहार-विहार हो या रहन-सहन, वह सर्वथा प्रकृति सापेक्ष होता है।

पर्यावरण प्रदूषण रोकने के लिए काफी धन व्यय किया जा रहा है। फिर भी आशानुकूल सफलता नहीं मिल रही है। वनौषधि गारंटी है। समुचित संरक्षण के अभाव में विभिन्न वनौषधियों का धीरे-धीरे लोप होता जा रहा है और हम जाने-अनजाने में अपनी बहुमूल्य संपदा को खोते जा रहे हैं। इससे सर्वाधिक हानि आयुर्वेद की हुई है।

मनुष्य का प्रकृति से अटूट सम्बंध है। प्रकृति की रक्षा, उसके संरक्षण और विलुप्ति की कगार पर पहुंच रहे जीव-जंतु तथा वनस्पति की रक्षा का संकल्प प्रत्येक मानव का है। प्रकृति का संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से सबंधित है। इनमें मुख्यत: पानी, धूप, वातावरण, खनिज, भूमि, वनस्पति और जानवर शामिल हैं। प्रकृति हमें पानी, भूमि, सूर्य का प्रकाश और पेड-पौधे प्रदान करके हमारी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करती है। इन संसाधनों का उपयोग विभिन्न चीजों के निर्माण के लिए किया जा सकता है जो निश्चित ही मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाते हैं।

भारतीय संस्कृति प्रकृति और पर्यावरण का बहुत आदर करती है और आयुर्वेद की तरफ रुझान इसका सबूत है। आयुर्वेद को समग्र मानव विज्ञान कहा जा सकता है। 'पेडों से लेकर प्लेट तक, शारीरिक बल से मानसिक स्थिति तक' आयुर्वेद का गहरा प्रभाव होता है।

आयुर्वेद प्राकृतिक एवं समग्र स्वास्थ्य की पुरातन भारतीय पद्धति है। यदि हमें प्रकृति को बचाना है तो पर्यावरण संरक्षण पर जोर देना होगा। औषधीय पेड़-पौधे लगाने होंगे। जिससे पर्यावरण दूषित होने से तो बचेगा ही, साथ ही आयुर्वेद का प्रसार भी होगा।

हमारा शरीर प्रकृति के पांच तत्वों से मिल कर बना है। यदि हम प्रकृति की रक्षा करेंगे तथा उससे अपनापन रखते हैं तो प्रकृति भी हमारे शरीर की रक्षा करेगी। हम अनेक प्रकार की बीमारियों से बचे रहेंगे। प्रकृति का संरक्षण मानव जाति का संरक्षण है क्योंकि ये प्राकृतिक तत्व ही हैं जो हमें जीवन देते हैं।

प्रकृति व पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं। प्राकृतिक संपदाओं के महत्व को समझना, उनका किफायती उपयोग करना, उनके संरक्षण को प्राथमिकता देना हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। जल, जंगल और जमीन प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जिनके बगैर हमारी प्रकृति अधूरी है। प्रकृति के इन तीनों तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका सन्तुलन डगमगाने लगा है। प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर छेडछाड़ कर रहे हैं, यह उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। हम प्रकृति की चिंता नहीं करते और यही वजह है कि प्रकृति ने भी अब हमारी चिंता छोड़ दी है। हमनें बिना सोचे-समझे संसाधनों का दोहन किया है। यही वजह है कि अब पर्यावरण का संतुलन बिगड़ गया है और बाढ़, सूखा, सुनामी जैसी आपदाएं आ रही हैं। बरसों से पर्यावरण को हम इंसानों ने बहुत नुकसान पहुंचाया है। प्रकृति से साथ इंसान का लगातार खिलवाड़ एक भयानक विनाश को आमंत्रण दे रहा है, जहां किसी को बचने की जगह नहीं मिलेगी।

प्रकृति का संरक्षण हमारे सुनहरे भविष्य का आधार है। मनुष्य जन्म से ही प्रकृति और पर्यावरण के सम्पर्क में आ जाता है। प्राणी जीवन की रक्षा हेतु प्रकृति की रक्षा अति आवश्यक है। वर्तमान समय में विभिन्न प्रजाति के जीव जंतु, वनस्पतियां और पेड-पौधे विलुप्त हो रहे हैं जो प्रकृति के संतुलन के लिए बहुत ही भयावह है। मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए समय-समय पर प्रकृति का दोहन करता चला आ रहा है। अगर प्रकृति के साथ खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब हमें शुद्ध पानी, हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध पर्यावरण, वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। हमारा शरीर प्रकृति के पांच तत्वों से मिल कर बना है। यदि हम प्रकृति की रक्षा करेंगे तथा उससे अपनापन रखते हैं तो प्रकृति भी हमारे शरीर की रक्षा करेगी। हम अनेक प्रकार की बीमारियों से बचे रहेंगे। प्रकृति का संरक्षण मानव जाति का संरक्षण है क्योंकि ये प्राकृतिक तत्व ही हैं जो हमें जीवन देते हैं। ऐसे में यह समाज के हर व्यक्ति का दायित्व है कि वह अपने आसपास के प्रकृतिक संसाधनों की रक्षा करे।

भारतीय संस्कृति प्रकृति और पर्यावरण को जो सम्मान देती है उससे आयुर्वेद का गहरा नाता है। इसे पौधों से लेकर आपकी प्लेटों तक एक समग्र मानव विज्ञान के रूप में वर्णित किया जा सकता है। मौजूदा वक्त में विभिन्न देशों के छात्र आयुर्वेद और पारंपरिक दवाओं का अध्ययन करने के लिए भारत आ रहे हैं। यह दुनिया भर में लोक कल्याण के बारे में सोचने का सबसे माकूल वक्त है। आयुर्वेद पूरे शरीर को सुरक्षित रखता है। आयुर्वेद भारत की संस्कृति और प्रकृति से जुड़ा हुआ है। आयुर्वेद और योग भारत द्वारा पूरे मानव समाज और पृथ्वी को दिया अनमोल उपहार है। यह स्वस्थ्य रहने के उन स्थाई उपायों में है जो हमारी पृथ्वी की देखभाल करते हैं। हमें स्वस्थ रहने के लिए, न केवल अपने शरीर बल्कि अपने पर्यावरण का भी ध्यान रखना चाहिए। हमारी प्रकृति और पर्यावरण ने आयुर्वेद को संरक्षित कर मानव जीवन को बचने का कार्य किया है।

–अतिथि सम्पादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
(वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार)

प्रकृति में अंक सात का जीवन में क्या रहस्य है?

जल, थल और आकाश में जब हम देखते हैं तो ऐसा प्रतीत होता है कि सभी प्रमुख प्रकृतिदत्त अवस्थाएं, संरचनाये अथवा क्रियाएं सात के अंक पर ही ठहरती हैं। क्या ये सब अनायास ही हैं अथवा इनमे कहीं मानव या प्राणी जगत को प्रवाभित करने के रहस्य भी समाहित हैं? मैं कोई ज्योतिषी नहीं और न ही भूगोलिक तत्ववेता, केवल प्रकृति के निरन्तन निहारने और तत्पश्चात चिंतन से जो विचार मस्तिष्क में उपजे, उन्हें सजोकर एकत्रित कर यह प्रसंग उठा कि क्यों न इन सभी संकलित सूत्रों को क्रमबद्ध कर लेख लिखने का प्रयास कर प्रकाशित करवाया जाय? यह लेख इसी विचार एवं अवधारणा की उत्पत्ति है। पाठकों को यदि इसमें कुछ नया लगे और उनके ज्ञान वर्धन में कुछ बढ़ोतरी हो सके तो मेरा प्रयास फलीभूत होगा अब विषय को आगे पढ़िए जिसको जानने के लिए आप उत्सुक होंगे।

1.सप्त ग्रह मंडल –आकाश में तारामंडलों में उत्तर दिशा में अवस्तिथ सप्त ग्रह मंडल जिसमे सात तारे हैं यह एक ऐसा तारों का समूह है जो सदैव साथ ही रहते हैं। ध्रुव तारा हम सभी जानते हैं कि यह सदैव उत्तर दिशा में ही विध्यमान रहता है। कहते हैं समुद्र में नाविक रात के समय ध्रुव तारे से ही दिशा बोध करते थे। सप्त ऋषि मंडल के सातों तारों का नाम ऋषिओं के नाम पर रखा गया है। एक क्रम के अनुसार भृगु, वशिष्ठ, अंगिरा, अत्रि, पुलस्त्य क्रतु और पुकाश; वही एक अन्य स्त्रोत के अनुसार महृषि अत्री, भारद्वाज, गौतम, जमदाग्नि, कश्यप, विश्वामित्र और वशिष्ठ। इस सप्त मंडल की विशेषता है कि ये कभी बिखरते नहीं, हमेशा एक ही डिज़ाइन में ध्रुव तारे के चारों ओर घूमते प्रतीत होते हैं।

2. सात महाद्वीप- पृथ्वी का थलीय क्षेत्र सात महाद्वीपों में बंटा है जैसे– उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, एशिया, अफ्रीका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, नूज़ीलैण्ड, अंटार्टिका। ये सातों महाद्वीप एक-दूसरे से अलग होते हुए, जलवायु, मृदा वनस्पति, जीव-जंतु आदि अनेक विशेषताओं में भिन्न हैं।

3. सात समुद्र- अंग्रेजी में सी, ओसियन नाम प्रयुक्त होते हैं। समुद्र से मेरा आशय महासागर से है। उदाहरण ; एटलांटिक उत्तरी प्रशांत, दक्षिणी प्रशांत, आर्कटिक, अरब सागर, हिन्द महासागर, दक्षिणी महासागर, छोटे-मोटे सागर पृथ्वी पर और भी हैं जैसे– भूमध्य सागर, लाल सागर, कप्सेसीन, काला सागर आदि,

4. सात ग्रह- उदाहरण ; बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि और केतु। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इन सभी ग्रहों का प्रभाव प्राणी जगत पर पडता है।

ज्योतिष एक बड़ा एवं समृद्ध विषय है। मैं तो इतना जानता हूँ कि ज्योतिष प्राचीन काल से ही सभी तरह के विषयों व् जिज्ञासाओं की सफल पूर्ती में सक्षम है। हमारे अनेक सनातनी अपने बच्चो की कुंडली (जनम पत्री) अपने पुरोहित से बनवा लेते हैं। कई

प्रो.डॉ. वीर बहादुर सिंह

पुरोहित या ज्योतिषाचार्य शहरों में ज्योतिष के कार्यालय खोल लेते हैं और सेवा के साथ अपनी आजीविका भी इसी कार्य से वहन करते हैं। सूर्य और चंद्र ग्रहण के घटित होने की गणना प्राचीन काल से हमारे तत्ववेता ऋषि करते रहे हैं जिसकी सटीकता अब पढ़े-लिखे अंतरिक्ष वैज्ञानिक भी सराह रहे हैं। ग्रहण का समय, कहाँ दिखेगा और कहाँ नहीं, कितना होगा खंडग्रास या खांग्रास यह सब ज्योतिष ज्ञान से पूर्णत: संभव होता रहा है।

5.सात आध्यात्मिक चक्र– मानव शरीर में सात आध्यात्मिक चक्र– ध्यान और आध्यात्मिक उन्नित के लिए कई लोग ध्यान योग का अभ्यास करते हैं। योग विशेषज्ञों की देख रेख में यह क्रिया करना वांछित है। तत्पश्चात साधक दूसरे चक्र जिसे स्वाधिष्ठान कहते हैं वहां ध्यान केंद्रित करता है। यह केंद्र जननेद्री के ठीक ऊपर (पेडू) के मध्य स्तिथ है, इसके बाद नाभि के ठीक नीचे मणिपूरक चक्र होता है।

6. संगीत में भी सात स्वर– स, रे, ग, म, प, द, और नी.. इन्ही सात स्वरों से पूरा संगीत सवरत है, चाहे पाश्चात्य हो अथवा भारतीय संगीतज्ञ इनको किसी को भी भलीभांति समझा सकते हैं।

7. इंद्र धनुष के सात रंग- में सात रंगों के अर्ध गोल। वर्षा ऋतु में आकाश में सूर्य की विपरीत दिशा में जल की सूक्ष्म बूंदों से सूर्य किरणे परावर्तित हो सात रंगों के अर्ध गोल एक के ऊपर एक ऐसे बनते हैं कि उनका रंग अलग-अलग व् अर्ध चंद्राकार वृत में दीखता है। रंगीन व्रताओं का कभी क्रम बदलता नहीं देखा। पैराबोला में सबसे ऊपरी व्रत लाल रंग का, उसके नीचे सटा हुआ नारंगी, फिर पीला, फिर हरा, उनके बाद नीला, इंडिगो और आखिर में बैंगनी। जीवन में रंगों का सटीक महत्व है।

8. सप्ताह में सात दिन- रविवार, सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार और शनिवार। सभी दिनों के नाम ग्रहों के नाम पर यथा सूर्य, चन्द्रमा, मंगल, बुध,....शनि रखे गए हैं।

9.सात फेरे – विवाह बंधन के समय सात फेरे; सनातनी परंपरा में वर-वधु को पुरोहित मन्त्रों के साथ अग्नि के सात चक्कर लगवाता है, जो समर्पण और सात जन्मों की सपथ के साथ संपन्न होती है।

10. मुसलमानों में 786 एक पवित्र अंक अथवा सूचक माना जाता है जैसे– हिन्दुओं में ॐ ।

11. सातवें दिन पूजा - शारदीय नव रात्रि में माँ काली की पूजा-अर्चना ध्यान आदि सातवें दिन किया जाता है।

12. रामायण के साथ काण्ड- अथवा रामचरित मानस में भी सात काण्ड : राम कथा बाल काण्ड, अयोध्या काण्ड, अरण्यकाण्ड, किष्किंधा काण्ड होती हुई सुंदर काण्ड, लंका काण्ड और आखिर में उत्तरकाण्ड, जिसमे भगवान् श्री राम सभी शंकाओं और प्रश्नों का समुचित उत्तर देकर समाधान करते हैं, का विस्तृत वर्णन किया गया है और इस प्रकार राम कथा को सात कांडो में समाजित कर समाप्त किया गया है।

मेरा इस लेख को लिखते समय आशय था कि सम्बंधित विषय विशेषज्ञ उपरोक्त सभी पहलुओं पर विस्तृत अनुसन्धान करें और इनके पीछे छिपे या जुडे रहस्यों से पर्दा उठाकर जानकारी से विषय सामग्री को सुदृढ करें।

उपरोक्त अंक 7 के सम्बंधित प्रकरण जो मुझे याद थे यहां लेख में परोस दिए गए हैं, पाठक पढ़े, ज्ञानवर्धन करे और अपने चिंतन से मुझे भी लाभान्वित करने का कष्ट करें।

प्रो.डॉ. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञ
एम.पी.यू.ए.टी .उदयपुर

शहरी रोजगार गारंटी: रेहाना रियाज के गृह नगर चूरू में महिलाओं को नहीं मिली मजदूरी!

- **कांग्रेस की मनोनीत पार्षद बाली बाई के आरोपों से आयुक्त मघराज डूडी ने कन्नी काटी**
- **'370 जॉब कार्ड बने हैं, जबकि काम 40 से 50 ही करते हैं'**
- **सड़कों पर झाड़ू निकाली है, उसके बाद भी आज तक कुछ भी नहीं मिला : तायरा बानो**

चूरू, (कासं)। राजस्थान महिला आयोग की अध्यक्ष रेहाना रियाज के गृह नगर चूरू में शहरी रोजगार गारंटी के तहत महिलाओं को आज तक मजदूरी नहीं मिली है यहां महिला मजदूर प्रताड़ित हो रही हैं। उनकी कोई सुनवाई भी नहीं हो रही है। नगर परिषद चूरू में कांग्रेस की मनोनीत पार्षद बाली बाई ने आज शहरी रोजगार गारंटी योजना में भारी अनियमितता होने के आरोप लगाए हैं। बाली बाई ने कहा कि दर्जनों महिला मजदूरों को आज तक एक रुपए का भी भुगतान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि महिला मजदूरों को पहले इंद्रमणि पार्क में बुलाया जाता है, वहां से कभी जयपुर रोड पर पुलिया के पास तो कभी पंखा सर्किल, कभी और दूरदराज के क्षेत्र में पैदल ही भेजा जाता है।

बाली बाई ने कहा कि 370 जॉब कार्ड बने हैं, जबकि काम 40 से 50 ही करते हैं। काम नहीं करने वालों को घर बैठे पैसे मिल रहे हैं। यहां कलैक्ट्रेट में सफाई कार्य कर रही तायरा बानो ने कहा कि सड़कों पर झाड़ू निकाली है, उसके बाद भी आज तक कुछ भी नहीं मिला है। सुशील शर्मा ने कहा कि वह रोज 50 रुपए किराया लगाकर आता है। यहां रुपए अभी तक नहीं मिले हैं। इसी प्रकार अन्य दर्जनों महिलाओं ने यहां कलेक्ट्रेट में सफाई करते हुए मजदूरी के रुपए दिलवाने की गुहार लगाई।

उल्लेखनीय है कि चूरू में प्रभारी मंत्री बृजेंद्र ओला, पूर्व विधायक हाजी मकबूल मंडेलिया, सभापति पायल सैनी, कलैक्टर सिद्धार्थ सिहाग आदि ने जॉब कार्ड वितरित करके योजना का शुभारंभ किया था जिसकी अब पोल खुलकर सामने आ गई है। योजना का शुभारंभ करने वालों ने एकदम से चुप्पी साध रखी है। इन सबने योजना का शुभारंभ करके पीछे मुड़कर ही नहीं देखा कि मजदूरों को रुपए मिले हैं या नहीं मिले। उनको किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यहां राज्य सरकार की ओर से मनोनीत पार्षद द्वारा राज्य सरकार की योजना को कटघरे में खड़े किया जा रहा है।

उधर नगर परिषद आयुक्त मघराज डूडी ने भुगतान नहीं होने की बात को नकारते हुए कहा कि तीन पखवाड़े का रुपया जिसने काम किया, उसके खाते में जमा हो गया है। डूडी ने कहा कि एक दो का बैंक खाता सही नहीं होने से भुगतान नहीं हुआ होगा।

सरकार का अन्न दाता को ऊर्जा उत्पादन कर्ता बनाने का सपना कैसे साकार होगा?

पी एम कुसुम कंपोनेंट सी योजना को पिछले 3 वर्षों से तीनों डिस्कॉम धरातल पर वास्तविकता में अमली जामा नहीं पहना सके हैं। डिस्कॉम की इस असफलता को छुपाने के लिए सरकार ने सौर कृषि आजीविका योजना प्रदेश को समर्पित की है। इस नई योजना के कारण किसानों को पी एम कुसुम कंपोनेंट सी योजना से मिलने वाले अनेक लाभों से वंचित किया जा रहा है। इसमें किसानों को मिलने वाली अतिरिक्त आय, विद्युत छीजत में कमी, वितरण हानि में कमी आदि सम्मिलित है।

क्या कारण रहे ही सरकार द्वारा सौर ऊर्जा उत्पादन से संबंधित तीन वर्ष पूर्व बड़े प्रचार-प्रसार के साथ किसानों के हितों को ध्यान में रखकर देश को समर्पित की गई योजना अब ठण्डे बस्ते में डालकर पार्ट सी की संशोधित योजना राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में समर्पित की गई है। जिससे प्रदेश का किसान भ्रमित है तथा वह समझ नहीं पा रहे है कि क्या यह योजना उनके लिए निम्न बिन्दुओं के मध्यनजर हितकर है :-

1. कुसुम योजना कंपोनेंट सी में विद्युतीकृत कुओं पर स्वीकृत भार से दो गुना अधिक क्षमता के सोलर पैनल लगाकर विकेंद्रीकृत पावर उत्पादन करने से किसान को मुफ्त की बिजली मिल जाती। इस अतिरिक्त पावर को डिस्कॉम को सप्लाई करके किसान अपनी आय में वृद्धि कर पाता और इस प्लांट की स्थापना के लिए बैंकों से जो लोन लेता उसको समय पर चुका भी देता। इस प्रकार स्वत: ही विद्युत छीजत पर अंकुश लग जाता एवं चोरी की संभावनाएं भी समाप्त हो जाती। इस प्रकार किसानों को होने वाली इस अतिरिक्त आय को रोकने का एक कुत्सित प्रयास यह सौर कृषि आजीविका योजना है।

2. राज्य सरकार द्वारा सौर ऊर्जा से 4000 मेगा वाट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य वर्ष 2024-25 तक हासिल करने का निर्धारित किया गया है। इस नई योजना से 4000 मेगा वाट में से कितनी सौर ऊर्जा का उत्पादन इस नई में योजना होगा, यह स्पष्ट नहीं किया गया है।

3. किसान को उसकी भूमि लीज पर देने पर लीज राशि 80,000/- रुपये प्रतिवर्ष से प्रति हेक्टेयर डिस्कॉम किसान को 26 वर्ष तक देगा। लेकिन 26 वर्ष बाद 80,000/- रुपये की वैल्यू नगण्य होगी। इसे मध्यनजर रखते हुए किसान अपनी जमीन सोलर पावर उत्पादन करने के लिए विकास कर्ता को देगा, इसकी सम्भावना कम है।

4. जहाँ पर 33 केवी सब स्टेशन है, वहां पर एग्रीकल्चर लोड विकसित है, इसका मतलब वह जमीन कृषि योग्य है, लेकिन कुछ जमीन पर पानी के अभाव में सिर्फ बरसात की फसल होती है उसे राजस्थान में बंजर भूमि की श्रेणी में डाला गया है। राजस्थान में बंजर भूमि अधिक होने की परिस्थिति में कोई भी किसान 80,000/- रुपये प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष के हिसाब से अपनी जमीन के पेड कटवा कर सोलर प्लांट लगाने के लिए देगा, ऐसी सम्भावना कम है। इस प्रकार इन जमीनी हकीकतों में यह योजना धरातल पर आ पाएगी, इसकी संभावना नगण्य है।

5. कुसुम योजना 3 वर्ष पूर्व राष्ट्र को समर्पित की गई थी, उसका मुख्य लक्ष्य किसानों को मुफ्त स्वच्छ बिजली देना, विद्युत क्षति पर अंकुश लगाना, दिन में ग्रामीण कुटीर उद्योग, फूड इण्डस्ट्री को विद्युत उपलब्ध कराकर विकसित करना एवं पलायन रोकना, किसानों की आय में वृद्धि करना आदि था। लेकिन पिछले 3 वर्षों में जिस प्रकार से सरकार द्वारा इस योजना को लेकर प्रगति की जा रही है, उससे तो कोई आशा नहीं दिख रही है कि योजना को सफल बनाने के लिए कोई सार्थक प्रयास किया जायेगा।

6. कुसुम योजना ए और सी को धरातल पर लाने के लिए विद्युत विभाग व आर.आर.ई.सी. में हजारों इंजीनियर कार्यरत है। जबकि कुसुम योजना बी को धरातल पर लाने के लिए एक भी विद्युत इंजीनियर काम नहीं कर रहा है। उसके बावजूद भी यह योजना अपने लक्ष्य की तरफ निरंतर बढ़ती जा रही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि वितरण निगमों एवं सरकार में बैठे हुए अधिकारियों का इस योजना के सफल क्रियान्वयन के प्रति उत्तरदायित्व नहीं है।

हम यह स्पष्ट करना चाहते है कि उद्योगपतियों से डिस्कॉम 2 रुपये 11 पैसे में विद्युत खरीदती है एवं 1.25 रुपए से 1.50 रुपए प्रति यूनिट दर से रिन्यूएबल एनर्जी सर्टिफिकेट के प्रावधान (4 प्रतिशत से समय-समय पर बढ़कर 8 प्रतिशत हो गया है) डिस्कॉम से 3.43 रुपए से 4.08 रुपए ओपन एक्सेस से बिजली खरीदता है। प्रसारण छिजत भी करीब 8 प्रतिशत वहन करना पड़ता है।

जबकि कुसुम 'ए' योजना में वर्तमान दर 3.14 रुपये निर्धारित है। समय पर भुगतान करने पर 7 पैसे प्रति यूनिट एस.पी.जी. से 40 पैसे प्रति यूनिट दर से भारत सरकार द्वारा रिवेट दे दिया जाता है। 1.72 रुपया से 1.97 रुपया तक आर.ई.सी. से प्राप्त हो जाता है। डिसेंट्रलाइज्ड पावर जेनरेशन से छिजत नगन्य है। इस प्रकार डिस्कॉम को कुसुम योजना कंपोनेंट्स से 1.17 रुपये से 1.42 रुपये में ही कम खर्च में विद्युत उपलब्ध हो जाती है। कुसुम 'सी' योजना में और ही कम लागत में विद्युत डिस्कॉम को उपलब्ध हो जाती है। ऐसी परिस्थितियों में हम यह कैसे कह सकते है कि यह 'ए' और 'सी' कुसुम योजना (किसान ऊर्जा सुरक्षा और उत्थान महाअभियान) किसानों एवं सभी के लिए आर्थिक रूप से सम्बल प्रदान करने वाली साबित होगी।

राशिफल गुरूवार 10 नवम्बर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीष मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, रोहिणी नक्षत्र शुक्रवार प्रात: 5:08 तक, परिद्य योग रात्रि 9:12 तक, गर करण सांय 6:33 तक, चन्द्रमा वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मिथुन, बुध-तुला, गुरू-मीन, शुक्र-तुला, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रोहिणी व्रत, ग्रहण वैध।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:07 तक, चर 10:50 से 12:11 तक, लाभ-अमृत 12:11 से 2:53 तक, शुभ 4:14 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:46, सूर्यास्त 5:35

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

धनु
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृष
मन:स्थिति ठीक रहेगी। वर्तमान में चल रहे मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। धन प्राप्त होगा।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है और घर-गृहस्थी के खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

तुला
अष्टम भाव में चन्द्र शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कुंभ
घर-परिवार में शुभ-धार्मिक-मांगलिक कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक
परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

मीन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले सुसंदेश प्राप्त होंगे।

विदेशी मेहमान पक्षी तिलोर का आगमन

पोकरण, (निसं)। परमाणु नगरी पोकरण सहित जैसलमेर जिले में इन दिनों विदेशी पक्षियों मेहमानों का आवागमन सर्दी की गुलाबी दस्तक के साथ शुरू हो गया है। अरब, चीन ,मंगोलिया देशो से पाए जाने वाले तिलोर बस्टर जाति के पक्षियों के आने का सिलसिला लगातार जारी है। गोड़ावण पक्षी की तरह दिखने वाला तिलोर बहुत ही आकर्षक मनमोहक पक्षी है सीमावर्ती क्षेत्र रामगढ एवं खेतोलाई, घोलिया क्षेत्रों में विदेशी पक्षी मेहमानों का आवागमन शुरू हो गया है।

पर्यावरण प्रेमी राधेश्याम पेमानी ने जानकारी देते हुए बताया कि विदेशी पक्षी मेहमानों का सर्दी के मौसम में यहां पर डेरा डला रहता है। तिलोर प्रजाति के पक्षी सांप, बिच्छू, टीड, मकोडे खाकर पर्यावरण का संतुलन रखते हैं। विश्नाई ने जानकारी देते हुए बताया कि तेज गति से उड़ान करने वाला यह पक्षी पलक झपकते ही नजरों से गायब हो जाता है। वहीं कुदरत की बनावट ही बालू मिट्टी की जैसी होने के कारण आमतौर पर नजर नहीं आता है। पर्यावरण प्रेमी राधेश्याम पेमानी लगातार पशु पक्षी एवं पर्यावरण एवं संरक्षण को बचाने की मुहिम को लेकर जंगलों में अधिकांश समय बिताते हैं।

रामगढ़, खेतोलाई क्षेत्र में विदेशी पक्षियों का आगमन शुरू हो गया।

आप भी आइए, म्युचुअल फ़ंड्स के मैदान में!

करोड़ों लोग आ चुके हैं, म्युचुअल फ़ंड्स के मैदान में.
अब आप भी उतरिए!

MUTUAL FUNDS सही हैं

म्युचुअल फ़ंड्स की अधिक जानकारी के लिए अपने **म्युचुअल फ़ंड डिस्ट्रिब्यूटर** या **इंवेस्टमेंट एडवाइज़र** से संपर्क कीजिए, आज ही!

mutualfundssahihai.com पर विज़िट करें

फ़ॉलो करें:

म्युचुअल फ़ंड निवेश बाज़ार के जोखिमों के अधीन हैं, योजना से जुड़े सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें.

भाई-बहन को बंधक बना जूतों की माला पहनाई, भाई की नाक काटी

तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर नौ जनों के विरूद्ध मामला दर्ज किया

मालपुरा, (निसं)। लाम्बाहरिसिंह थाना क्षेत्र के भोपलावजी के जंगलों में भाई-बहिन को बंधक बना मारपीट करते हुए जूतों की माला पहना चाकू से नाक काटने तथा गर्म लोहे से माथे पर दागने के सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के बाद लाम्बाहरिसिंह थाने पहुंचे पीड़ित भाई-बहिन की दी रिपोर्ट पर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही कर तीन जनों को गिरफ्तार किया।

पीड़ित युवक कालू व बहिन मीरा निवासी मूण्डयाकलां हाल निवासी तसवारियां द्वारा दी रिपोर्ट में बताया कि बीते दिनों समाज की पंचायत के बीच झिरोता निवासी नवरतन ने उसकी बेटी सावित्री को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाने पर समाज की पंचायत द्वारा उसके परिवार पर आर्थिक दण्ड किया गया था तथा तय समय में दण्ड राशि देने की बात कही गई थी।

सात नवम्बर को रिण्डलिया निवासी नोरती ने दूरभाष पर भोपलावजी के यहां समाज की पंचायत में बुलाया। जब दोनों भाई-बहिन भोपलावजी पहुंचे तो समाज के पंचों ने पिता भोजाराम व परिवारजनों को साथ लाने की बात कहते हुए पांच दिन बाद पुन: पंचायत बुलाने की बात कही। तो पंचों के जाने के बाद वहां मौजूद झिरोता निवासी नवरतन पत्नी गीता, बेटा शंकर, बेटी सावित्री सहित भोपलावजी निवासी पारस व संतरा से वीडियो बना सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। आठ नवम्बर को उक्त लोग दोनों भाई-बहिन को डरा धमकाकर मालपुरा कोर्ट पहुंचे जहां स्टाम्प पर जबरन लिखाई पढ़ाई भी की गई। लोकलाज से बचने के लिए दोनों भाई-बहिन अपने रिश्तेदारों के यहां मैवदा चले गये।

समाज के बदमाशों द्वारा प्रताड़ित किए गए भाई-बहिन।

- समाज के पंचो के जाने के बाद कुछ लोग भाई-बहिन को जंगल में ले गए और यातनाएं दीं
- पीड़ित परिवार पर लड़की को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का ग्रामीणों ने आरोप लगाया

रिश्तेदारों के साथ नौ नवम्बर को लाम्बाहरिसिंह थाने पहुंचे पीड़ित भाई-बहिन ने सारी आप बीती एएसपी राकेश कुमार बैरवा, डीवाईएसपी सुशील मान व एसएचओ भागीरथ सिंह को बताई। मारपीट व मानसिक एवं शारीरिक यातनाओं का वीडियो देखने तथा मामला इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की सुर्खिया बनने के बाद पुलिस ने दोनों भाई-बहिन का मेडिकल करवा बयान ले मामला दर्ज करते हुए देर शाम तक तीन जनों को गिरफ्तार किया।

डीवाईएसपी सुशील मान ने बताया कि वीडियो में दिख रहे महिला-पुरूषों की पहचान कर सम्पूर्ण घटनाक्रम की सभी पहलुओं पर जांच कर शेष आरोपियों की गिरफतारी के लिए भी प्रयास जारी है।

एवं लाम्याजूनारदार निवासी गोरधन मोग्या ने दोनों भाई-बहिन को पकड़ जबरन मोटरसाईकिल पर बिठा कर जंगल में ले गये। जहां बंधक बना मारपीट करते हुए जूतों की माला पहना गर्म लौहे की राड से माथे पर दाग चाकू से नाक काट उसे शारीरिक व मानसिक यातनाएं दी।

सम्पूर्ण घटनाक्रम का मोबाइल

प्रधानमंत्री आवास नहीं बनाने पर नौ लाभार्थियों के खिलाफ मामला दर्ज

कई मर्तबा समझाइश के बाद भी चवा ग्राम में नहीं बनवाए आवास

बाड़मेर, (निसं)। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत स्वीकृत आवास निर्माण नहीं करवाने पर बाड़मेर के चवा ग्राम पंचायत निवासी नौ लाभार्थियों के खिलाफ सदर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया गया है।

आवास निर्माण के लिए नोटिस जारी करने एवं कई मर्तबा समझाइश के उपरांत भी आवास निर्माण नहीं करने पर यह कार्यवाही की गई है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओमप्रकाश विश्नोई ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत चवा ग्राम पंचायत में गंवरी देवी पत्नी भीखाराम, लक्ष्मी देवी पत्नी मेघाराम, तुलसी देवी पत्नी टीकमा राम, देवी पत्नी रामा राम, कमला पत्नी पुखराज, पालू देवी पत्नी पूरा राम, पप्पू देवी पत्नी विशनाराम, जेठी देवी पत्नी तेजा राम एवं टीपू देवी पत्नी ठाकरा राम के आवास स्वीकृत हुए थे। इनके खाते में राशि हस्तांतरित होने के बाद आठ लाभार्थियों ने दो किश्तों के 60-60 हजार एवं एक लाभार्थी एक किश्त के तौर पर 15 हजार रूपए उठा लिए। इसके उपरांत भी इन्होंने आवास निर्माण का कार्य पूर्ण नहीं करवाया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी विश्नोई ने बताया कि इन लाभार्थियों को नोटिस जारी करने के साथ जन प्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों के माध्यम से समझाइश की गई। इसके बावजूद इनकी ओर से न तो संतोषनक जबाव दिया गया और न ही आवास निर्माण करवाया गया। इसको गंभीरता से लेते हुए उनके निर्देश पर चवा ग्राम पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी ने इन लाभार्थियों के खिलाफ सदर पुलिस स्टेशन में सरकारी राशि के दुरूपयोग एवं गबन का मामला दर्ज करवाया है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओमप्रकाश विश्नोई ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास निर्माण करवाने को लेकर राज्य सरकार बेहद गंभीर है। अपूर्ण एवं आवास शुरू नहीं करने वाले लाभार्थियों से लगातार समझाइश की जा रही है। उनके मुताबिक जन प्रतिनिधियों के माध्यम से समझाइश करने के साथ संबंधित बीट कांस्टेबल ने भी मौके पर पहुंचकर लाभार्थियों को आवास निर्माण करवाने के लिए पाबंद कर रहे है। उन्होंने बताया कि जिले के अन्य स्थानों पर आवास निर्माण करने एवं सरकारी राशि का गबन अथवा दुरूपयोग करने वाले लाभार्थियों के खिलाफ पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाने के निर्देश संबंधित विकास अधिकारियों को दिए गए है।

गिरदावर को 3500 रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा

बयाना में एसीबी की कार्रवाई

एसीबी ने आरोपी गिरदावर को गिरफ्तार किया।

बयाना, (निस)। शहर में बुधवार को एसीबी ने कार्रवाई करते हुए राजस्व विभाग के भू राजस्व निरीक्षक सुरेंद्र धाकड़ को 3 हजार 500 की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी के एडिशनल एसपी महेश मीणा ने बताया कि सादपुरा निवासी लव कुमार से उसके पिता की मृत्यु के बाद नामांतरण दर्ज हुआ। तस्दीक कराने की एवज में सुरेंद्र कुमार धाकड़ गिरदावर ने नामांतरण दर्ज तस्दीक करने की एवज में 3500 रिश्वत मांगी।

इस रिश्वत की सत्यापन कराए जाने के बाद एसीबी ने बयाना में बुधवार की रात कार्रवाई करते हुए आरोपी सुरेंद्र गिरदावर को रिश्वत की राशि सहित गिरफ्तार किया। एसीबी की इस कार्रवाई से सरकारी महकमों में तैनात कर्मचारियों और अधिकारियों ने हलचल मच गई। आरोपी खिलाफ विभिन्न धाराओं मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

रिफाइनरी क्षेत्र में निषेधाज्ञा लगाई

बाड़मेर, (निसं)। जिला मजिस्ट्रेट लोक बन्धु ने निषेधाज्ञा जारी कर एचपीसीएल आरआरएल रिफाइनरी ग्राम साजियाली, रूपजी कण्डवाडा व सांभरा तहसील पचपदरा की चारदिवारी के तीन किलोमीटर क्षेत्र में पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों के समूह के विचरण पर प्रतिबन्ध लगा दिया है।

उन्होंने बताया कि एचपीसीएल आरआरएल रिफाइनरी ग्राम साजियाली, रूपजी कण्ठवाडा व सांभरा तहसील पचपदरा भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार का अति महत्वपूर्ण संस्थान है। जिला पुलिस अधीक्षक बाड़मेर से प्राप्त रिपोर्ट अनुसार असामाजिक तत्वों द्वारा कानून एवं शान्ति व्यवस्था भंग करने की पूर्ण आशंका है। उक्त परिस्थितियों पर विचार एवं पूर्ण सन्तुष्ट होने के बाद इस प्रकार के आदेश प्रसारित किए गए। इस दौरान पांच से अधिक व्यक्ति समूह में एकत्र नहीं हो सकेंगे तथा लोक शान्ति भंग करने वाले जूलूस, प्रदर्शन, पुतला जलाना, नारेबाजी करना, भडकाऊ भाषण व ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग नहीं हो सकेगा।

मावठ से किसानों के चेहरे खिले, सर्दी बढ़ी

गेहूं, सरसों और चना की फसल को बारिश से भारी राहत मिली

चाकसू, (निसं)। मंगलवार को देर रात को क्षेत्र में बूंदाबांदी के साथ रिमझिम बरसात हुई जिससे किसानों के चेहरे खिल उठे व ठंडक में बढ़ोतरी हुई। किसानों ने कहा है कि इस बरसात से भी राहत मिल सकेगी। उपखंड क्षेत्र में हुई बारिश से किसानों को लाखों का फायदा हुआ है। किसानों की मानें तो फसलों पर बारिश की बूंदें सोना बनकर बरसी हैं ऐसे में बारिश से रबी की खेती और ज्यादा संवर सकेगी। खासकर गेहूं की फसल के साथ सरसों और चना को भी बारिश से भारी राहत मिली है।

चाकसू उपखंड के किसान गोपाल, नाथूलाल माली आदि ने बताया कि मौसम के गर्म होने के कारण किसानों को गेहूं की फसल के पकने को लेकर चिंता की स्थिति बनी हुई थी लेकिन मंगलवार शाम को मौसम ने अचानक पलटी खाई और कुछ समय बाद बारिश की हल्की बूंदें पड़नी शुरू हो गई। रात होते-होते बादल पूरे इलाके में बरसे। किसान शंकर सैनी ने बताया कि रात को हुई बारिश से इलाके के किसानों को फसलों की सिंचाई पर डीजल बिजली खर्च के रूप में होने वाली लागत का फायदा हो गया।

मावठ के बाद फसल को देखता किसान।

कांस्टेबल निलम्बित

जयपुर, (कासं)। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा के निर्देश पर पाली जिले के आनन्दपुर कालू थाना क्षेत्र के बलाड़ा गांव की अस्थायी चौकी में तैनात हैड कांस्टेबल उमराव खान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मिश्रा ने बुधवार को समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार पर संज्ञान लिया और संबंधित अधिकारियों से घटना की जानकारी ली। इसके बाद वृद्धा को लात मारने वाले हैड कांस्टेबल को तत्काल निलंबित करने के निर्देश दिए।

ऑनलाइन ठगी

चाकसू, (निसं)। शातिरों ने ऑनलाइन ठगी की वारदात को अंजाम देते हुए करीब 1 लाख 4747 रुपये ठग लिए। पुलिस के अनुसार कस्बा स्थित वैशाली नगर कॉलोनी निवासी मुरारी शरण शर्मा चाकसू विद्युत विभाग में कार्मिक है। पीड़ित का बचत खाता एयू बैंक में खुला हुआ है। उन्होंने कुछ दिनों पूर्व बैंक से क्रेडिट कार्ड लिया था। जिसका पिन जनरेट करने के लिए गूगल अकाउंट पर लिंक क्लिक करने पर मोबाइल हैक होने के बाद बैंक अकाउंट और कार्ड हैक हो गया। जिसके बाद बैंक से 97632 और 7115 रुपए निकलने का मैसेज मिला।

दिव्यांग ने ए.ई.एन. के खिलाफ मामला दर्ज करवाया

उनियारा, (निसं)। उनियारा में एक दिव्यांग ने उनियारा विद्युत विभाग ईईएन बृजराज मीणा के खिलाफ थाने में मामला दर्ज करवाया। वहीं थाना पुलिस द्वारा कार्यवाही नहीं करने पर उनियारा उपखंड अधिकारी नेहा मिश्रा को ज्ञापन सौंपते हुए न्याय की गुहार लगाई।

उपखंड अधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में दिव्यांग शंभू दयाल बैरवा वह 3 नवंबर को सुबह 10:30 बजे भाई सरदारमल बैरवा उनियारा ए.ई एन से मिलने गए थे। घरेलू कनेक्शन करवाने के लिए फाइल लगाकर उसका डिमांड जमा करवा दिया था। जिसका आर्डर 17 अक्टूबर 2022 को निकाल दिया गया था। लेकिन कनेक्शन नहीं होने से वह दोबारा से मिलने खिड़की पर पहुंचा तो उसके साथ दुर्व्यवहार कर अपमानित शब्दों का प्रयोग किया।

उसी दौरान विभाग के कर्मचारी द्वारा भी उसको बाहर निकालने के लिए कहा गया तथा विधुत विभाग के ए.ई .एन बृजराज मीणा द्वारा गाली गलौज करने एवं मारपीट करने की धमकी देने का गंभीर आरोप भी लगाया है। वही कार्यवाही नहीं होने से परेशान दिव्यांग ने अंत में उनियारा उपखंड अधिकारी को न्याय के लिए गुहार लगाई। मामले की जानकारी फैलने पर क्षेत्र के दिव्यांगो में रोष व्याप्त है।

वॉट्सऐप पर भाई को सुसाइड नोट भेजकर लगाया फंदा

श्रीमाधोपुर, (निसं)। फाइनेंस कंपनी चलाने वाले युवक ने मंगलवार रात अपने किराए के मकान में सुसाइड कर लिया। मरने से पहले अपने बड़े भाई को व्हाट्सऐप पर सुसाइड नोट भेजा। जिसमें दो युवकों पर कस्टमरों को 15 लाख रुपए पेमेंट नहीं करने का दबाव बनाकर रूपए डुबाने व उससे उधार लिए गए 17 लाख रूपए नही चुकाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। मामला सीकर के श्रीमाधोपुर का है।

श्रीमाधोपुर थाने के एएसआई जयप्रकाश ने बताया कि 24 साल के मनीष यादव पुत्र बनवारीलाल यादव ने कमरे में फांसी का फंदा लगा लिया। श्रीमाधोपुर की ढाणी पाट्यायावाली में नाथूराम सैनी के मकान में किराए पर रहता था।

- दो युवकों द्वारा उधार लिए 17 लाख रूपए नहीं चुकाने व मारने की घमकी देने का मामला
- भाई ने दी पुलिस को जानकारी, पंखे से लटका मिला युवक

परिवार शाहपुरा पावटा के पास भाभरू में रहता है। मृतक अजीतगढ रोड पर दीपक निधि फाइनेंस के नाम से माइक्रो फाइनेंस की कंपनी चलाता था। मृतक के बड़े भाई ने बुधवार सुबह सुसाइड नोट देखकर अपने जीजा सुरेश यादव निवासी घासीपुरा मनोहरपुर को फोन किया। सुरेश ने श्रीमाधोपुर में मनीष की फाइनेंस में काम करने वाले कौशल चौधरी को फोन कर जानकारी दी जिस पर कौशल जालपाली पहुंचा जहां पुलिस की मौजूदगी में देखा तो मनीष का शव पंखे से लटका था। पुलिस ने कमरे से सुसाइड नोट भी बरामद किया है। मृतक के भाई दिनेश ने आरोपी सोनू खटाना, शिंभू खटाना और मुन्ना गुर्जर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

युवक ने सुसाइड नोट में सोनू खटाना व उसके भाई शिंभू खटाना पर उसके कस्टमरों को पेमेंट नहीं देने का दबाव बनाने, शाहपुरा के मार्केट में उसके 15 लाख रुपए डुबाने और जान से मारने की धमकी देकर देने का आरोप लगाया है। मामले में यादव समाज के लोग बुधवार सुबह श्रीमाधोपुर सीएचसी पहुंचे और मांग की है कि मृतक मनीष यादव के रुपए आरोपियों से दिलवाकर गिरफ्तार किया जाए।

गला रेत हत्या के मामले में आजीवन कारावास

आठ साल की सुनवाई के बाद अपर सैशन न्यायाधीश ने सुनाया फैसला

बीकानेर, (कासं)। छतरगढ़ में एक युवती की गला रेत कर हत्या करने के मामले में स्थानीय अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वर्ष 2014 के इस मामले में अदालत ने आईपीसी की दो धाराओं के तहत अभियुक्त को सजा सुनाई है।

दस दिसम्बर 2014 को छतरगढ़ में रहने वाले अतु खां ने मामला दर्ज कराया था कि उसकी बेटी बशीरा की शौकत नामक युवक ने हत्या कर दी है। बशीरा गाय को संभाल रही थी, तभी शौकत ने उसे पकड़कर चाकू से उसका गला रेत दिया। जिससे वह मौके पर ही गिर गई। उसे संभाला तो मृत थी। इस मामले में पुलिस ने शौकत को गिरफ्तार कर लिया था।

पिछले आठ साल से इस मामले में अदालत में सुनवाई चल रही थी। अब अपर सैशन न्यायाधीश संख्या सात ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद सजा सुना दी है। बशीरा की हत्या करने वाला युवक शौकत न सिर्फ उनका पड़ौसी था बल्कि रिश्तेदार भी था। दोनों के बीच हुई अनबन के चलते उसकी हत्या कर दी गई। शौकत को आईपीसी की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास के साथ दस हजार रूपये का अर्थदंड दिया गया है। अर्थदंड नहीं देने पर तीन महीने अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा। वहीं आईपीसी की धारा 450 के तहत सात वर्ष की सजा दी गई है। इस धारा के तहत तीन हजार रुपए का अर्थ दंड लगाया गया है। अर्थदंड नहीं देने पर एक महीने अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

- बशीरा का हत्यारा पड़ौसी और रिश्तेदार था

हरियाणवी डांसर का प्रोग्राम नहीं देख पाने पर तोड़ी कुर्सियां

शरद महोत्सव में प्रांजल दहिया को देखने आए हजारों लोग

धौलपुर, (निसं)। बलम थानेदार सॉन्ग फेम हरियाणवी डांसर प्रांजल दहिया के कार्यक्रम के दौरान धौलपुर पुलिस को मेला ग्राउंड में मंगलवार रात खासी मशक्कत करनी पड़ी। मेला ग्राउंड में नगर परिषद द्वारा शरद महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मंगलवार को हरियाणवी धमचक नाइट कार्यक्रम में भाग लेने के लिए हरियाणवी डांसर प्रांजल दहिया धौलपुर पहुंची। हरियाणवी डांसर के स्टेज पर आते ही लोग नगर परिषद द्वारा लगाई गई बल्लियों पर चढ़ ने लगे। मेले में अव्यवस्थाओं को देखते ही मौके पर मौजूद जिला कलेक्टर अनिल अग्रवाल और एसपी धर्मेंद्र सिंह ने मोर्चा संभाल लिया। कार्यक्रम के बीच में जहां जिला कलेक्टर अनिल अग्रवाल ने लोगों से पांडाल के लिए लगी गई बल्लियों पर ना चढ़ने की अपील की, तो वही शरारती तत्वों के उत्पात मचाने पर एसपी धर्मेंद्र सिंह ने पुलिस की मदद से कुछ लोगों को मेले से राउंड ऑफ कर लिया। बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने पर पूरा मेला ग्राउंड जाम हो गया। पसंदीदा स्टार का डांस ना देख पानी से नाराज लोगों ने अतिथियों के लिए रखी गई कुर्सियों में जमकर तोड़फोड़ कर दी।

कार्यक्रम के बाद मेला ग्राउंड में टूटी पड़ी कुर्सियां।

कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद द्वारा सुरक्षा के लिए कोई विशेष इंतजाम नहीं किए गए। हजारों की तादाद में लोग मेला ग्राउंड पहुंच गए। लोगों की भीड़ को देखते हुए महज 200 मीटर की पैदल दूरी एक से डेढ़ घंटे में पूरी हुई। कार्यक्रम के दौरान बनाई गई पत्रकार दीर्घा में पार्षदों के मिलने वाले लोगों को बैठा दिया गया। इसी दौरान पत्रकार एक कोने में खड़े होकर फोटो वीडियो कवरेज करने लगे। तभी नगरपरिषद के एक जनप्रतिनिधि ने पुलिसकर्मियों को इशारा कर पत्रकारों को हटाने के लिए पुलिस से कह दिया। जिस पर पुलिसकर्मियों ने कुछ पत्रकारों को धक्के देकर हटा दिया। जिसके बाद पत्रकार भी कार्यक्रम छोड़कर बीच में ही चले गए।

- मेले में अव्यवस्था को देखते ही कलेक्टर अग्रवाल और एसपी धर्मेंद्र सिंह ने मोर्चा संभाला

चार तस्करों को सजा सुनाई

भीलवाड़ा, (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश (एनडीपीएस प्रकरण) बृजमाधुरी शर्मा ने डोडा-चूरा तस्करी के मामले में चार तस्करों को 6-6 साल के कठोर कारावास व 60-60 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। विशिष्ट लोक अभियोजक कैलाशचंद्र चौधरी ने बताया कि तत्कालीन सदर थाना प्रभारी 14 जुलाई 2017 को गश्त के दौरान सुवाणा बाईपास पर नाकाबंदी की। इस दौरान एक बोलेरो को पुलिस ने रुकवाकर चेक किया। उसमें चार व्यक्ति बैठे थे।

पूछताछ में चालक ने खुद को महुआ, मांडलगढ निवासी कृष्ण गोपाल पुत्र लादू लौहार, उसके साथी सत्यनारायण पुत्र मथुरा जाट वि-लपुरा, रतन पुत्र रामचंद्र गुर्जर गोपालपुरा पारसोली व मुकनगढ़ मांडलगढ़ निवासी सांवरमल पुत्र राधाकिशन मीणा बताया। बोलेरो में दो बोरे रखे थे, जिनके बारे में वे कोई जवाब नहीं दे पाये। थाना प्रभारी ने बोरे खोलकर चेक किये तो उनमें डोडा-चूरा मिला। वजन करवाने पर 39 किलोग्राम पाया गया। पुलिस ने डोडा-चूरा सहित बोलेरो बरामद कर चारों आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय में चार्जशीट पेश की।

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा

(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)

दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327001

Mo. No. 9461118470 / 9414319459 Mail ID: zdr_arsb@yahoo.com, Visit us : www.mpuat.ac.in

क्रमांक : एफ( )/कृअकें/2022-23/483-87 दिनांक 09.11.2022

निविदा सूचना (2022-23)

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य / कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमन्त्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्ते विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 24.11.2022 दोपहर 1.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदायें उसी दिन दोपहर 2.00 बजे तक जमा की जाकर अपरान्ह 2.30 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	निविदा शुल्क (रू.)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट, बांसवाड़ा (लगभग 16 हेक्टर) तथा फल अनुसंधान केन्द्र, जलदाय विभाग के पीछे, बांसवाड़ा (लगभग 7 हेक्टर) पर किये जाने वाले विभिन्न कृषि कार्य	755000/-	15,100/-	500/-

संभागीय निदेशक अनुसंधान

निश्चित तौर पर टीम के सामने बहस का सिर्फ यही मुद्दा है। यह देखना रोचक होगा कि अंत में किसे मौका मिलता है। मुझे यकीन है कि बाकी टीम में कोई बदलाव नहीं होगा।

- एम.एस.के. प्रसाद

पूर्व भारतीय राष्ट्रीय चयनकर्ता, अंतिम एकादश में ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक के चयन को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

सूर्यकुमार यादव

भारत के 360 डिग्री बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर रहते हुए अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल कर ली है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से बुधवार को जारी रैंकिंग के अनुसार सूर्यकुमार 869 रेटिंग पॉइंट के साथ नंबर एक टी20 बल्लेबाज बने हुए हैं। सूर्यकुमार टी20 विश्व कप के पांच मैचों में 190 के ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 225 रन बना चुके हैं। टूर्नामेंट में तीन अर्द्धशतक जड़ चुके सूर्यकुमार को जिम्बाब्वे के खिलाफ 25 गेंदों पर नाबाद 61 रन की विस्फोटक पारी खेलने के लिये प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया था।

क्या आप जानते हैं ?... मेजबान ब्राजील ने 1950 के विश्वकप फुटबाल के आयोजन के लिए रियो डी जेनेरो में दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम बनाया जिसमें दर्शक क्षमता 2,20,000 थी।

इतिहास दोहरने से सिर्फ एक कदम दूर पाकिस्तान

सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को 7 विकेट से मात दी

सिडनी, 9 नवंबर। पाकिस्तान ने फॉर्म में लौटे कप्तान बाबर आज़म (53) और मोहम्मद रिज़वान (57) के अर्द्धशतकों की बदौलत बुधवार को टी20 विश्व कप 2022 के पहले सेमीफाइनल में न्यूज़ीलैंड को सात विकेट से मात दी। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 20 ओवर में 153 रन का लक्ष्य दिया, जिसे बाबर की टीम ने पांच गेंद रहते हुए हासिल कर लिया।

कप्तान बाबर और रिज़वान ने पूरे टूर्नामेंट के रनों के सूखे को सेमीफाइनल मैच में समाप्त करते हुए टी20 विश्व कप 2022 में पहली बार 50 रन का आंकड़ा छुआ। बाबर ने 42 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 53 रन बनाये, जबकि रिजवान ने 43 गेंदों पर पांच चौकों के साथ 57 रन का योगदान दिया। बाबर-रिजवान ने पहले विकेट के लिये 105 रन की शतकीय साझेदारी करके टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे प्रतिभावान युवा बल्लेबाज मोहम्मद हारिस ने 26 गेंदों पर दो चौके और एक छक्का लगाकर 26 रन बनाये, जबकि शान मसूद (03 नाबाद) ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर विजयी रन बनाकर पाकिस्तान को फाइनल में पहुंचाया।

मेलबर्न में रविवार को खेले जाने वाले फाइनल में पाकिस्तान का सामना भारत या इंग्लैंड में से किसी एक टीम से होगा। पाकिस्तान इससे पहले यूनुस खान की कप्तानी में टी20 विश्व कप 2009 जीत चुका है। भारत और पाकिस्तान टी20 विश्व कप 2007 के फाइनल में भी आमने-सामने थे, जहां महेंद्र सिंह धोनी के धुरंधरों ने मिस्बाह-उल-हक़ की टीम को हराया था। इससे अलावा भारत ने अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत भी पाकिस्तान को हराकर की थी। उल्लेखनीय है कि फाइनल मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा, जहां पाकिस्तान ने इमरान खान की कप्तानी में एकदिवसीय विश्व कप 1992 का फाइनल खेलकर शीर्ष टूर्नामेंट जीता था। न्यूजीलैंड ने आज टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी, लेकिन उसने महज 49 रन पर तीन विकेट गंवा दिये। इसके बाद डेरिल मिचेल (53 नाबाद) और केन विलियम्सन (46) ने 68 रन की साझेदारी करके कीवी टीम को मुसीबत से उबारा।

विलियम्सन ने अपनी 46 रन की पारी में 42 गेंदें खेलकर एक चौका और एक छक्का लगाया। दूसरी ओर, टी20 विश्व कप 2021 के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के नायक रहे मिचेल ने यहां भी 35 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के के साथ 53 रन बनाये। इसके अलावा डेवन कॉनवे ने 21(20) रन जबकि जेम्स नीशम ने 12 गेंदों पर नाबाज 16 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान ने शुरुआती 10 ओवरों में न्यूजीलैंड को सिर्फ 59 रन बनाने दिये, लेकिन मिचेल-विलियम्सन की साझेदारी की मदद से न्यूजीलैंड ने अंतिम 10 ओवरों में 93 रन जोड़कर पाकिस्तान को सिडनी की धीमी पिच पर चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया। पाकिस्तान के लिये शाहीन अफरीदी ने चार ओवर में 24 रन देकर दो विकेट लिये, जबकि मोहम्मद नवाज़ को एक विकेट हासिल हुआ।पाकिस्तान ने लक्ष्य का पीछा करते हुए विस्फोटक शुरुआत की और पावरप्ले में 55 रन जोड़ लिये। बाबर को शून्य रन के स्कोर पर जीवनदान भी मिला, जिसका भरपूर फायदा उठाते हुए उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपना 30वां अर्द्धशतक जड़ा, जबकि रिज़वान भी टी20 विश्व कप 2022 में पहली बार पचास के आंकड़े तक पहुंचे।

पंत, कार्तिक दोनों सेमीफाइनल का हिस्सा होंगे : रोहित शर्मा

एडिलेड, 9 नवंबर। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक से जुड़ी बहस को विराम देते हुए कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में दोनों विकेटकीपर निश्चित रूप से खेलेंगे।

उल्लेखनीय है कि टीम में फिनिशर की भूमिका निभाने वाले कार्तिक सुपर-12 के शुरुआती चार मैचों में एकादश का हिस्सा रहे थे, लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ पिछले मैच के लिये पंत को टीम में शामिल किया गया था। रोहित ने यहां संवाददाताओं से कहा, ऋषभ एकमात्र खिलाड़ी है, जिसे इस दौरे पर खेलने का मौका नहीं मिला था, सिवाय उन दो मैचों के जो हमने पर्थ में खेले। वह भी एक अभ्यास मैच था। हम उन्हें विकेट पर समय देना चाहते थे और सेमीफाइनल या फाइनल में बदलावों के लिये एक विकल्प भी रखना चाहते थे।

कार्तिक ने जहां अपनी तीन पारियों में जहां 4.67 की औसत से रन बनाये, वहीं पंत जिम्बाब्वे के खिलाफ सिर्फ तीन रन का योगदान दे सके थे।

उन्होंने कहा, यह हमारी रणनीति भी थी क्योंकि हम यह नहीं जानते थे कि जिम्बाब्वे के मैच के बाद हम किस टीम से सेमीफाइनल में खेलेंगे, इसलिए हम एक बाएं हाथ के बल्लेबाज को न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के स्पिनरों स्पिनरों का मुकाबला करने का मौका देना चाहते थे। कल क्या होने वाला है यह मैं आपको आज नहीं बता सकता, लेकिन दोनों विकेटकीपर खेल का हिस्सा होंगे।

इस हार को पचाना मुश्किल : विलियम्सन

आजम और मोहम्मद रिजवान के अर्धशतकों से 13 साल बाद टी20 विश्व कप फाइनल में जगह बनाई।

सिडनी, 9 नवंबर। न्यूजीलैंड के हताश कप्तान केन विलियमसन ने कहा है कि टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में हार को पचाना आसान नहीं है लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि बुधवार को यहां उनकी टीम कहीं बेहतर प्रदर्शन करने वाले पाकिस्तान को चुनौती देने के लिए पर्याप्त अनुशासित नहीं थी।

विलियमसन ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान कहा, "बेहद निराशाजनक है कि हम पाकिस्तान को कड़ी चुनौती नहीं दे पाए। उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने हमें पछाड़ दिया। हमारे लिए इस हार को पचाना मुश्किल है। बाबर (आजम) और (मोहम्मद) रिजवान ने हमें दबाव में डाल दिया।"

पाकिस्तान ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड के धीमे विकेट पर न्यूजीलैंड को चार विकेट पर 152 रन पर रोकने के बाद कप्तान बाबर अच्छी गेंदबाजी की। हम (डेरिल) मिशेल की अविश्वसनीय पारी के साथ कुछ लय वापस पाने में कामयाब रहे। हम महसूस कर रहे थे कि यह एक प्रतिस्पर्धी स्कोर है। इस विकेट पर खेलना थोड़ा कठिन था।"

सलामी बल्लेबाजों फिन एलेन (04) और डेवोन कॉनवे (21) के विकेट जल्दी गंवाने के बाद न्यूजीलैंड की टीम तेजी से रन नहीं बना सकी। विलियमसन (46) और मिशेल (53) ने चौथे विकेट के लिए 68 रन जोड़कर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। विलियमसन ने ने कहा, "अगर हम ईमानदार हैं तो हम और अधिक अनुशासित होना चाहते थे। पाकिस्तान निश्चित रूप से विजेता बनने का हकदार था। बहुत अच्छा क्रिकेट खेल गया।" पाकिस्तान के कप्तान बाबर ने जीत दर्ज करने के लिए अपने गेंदबाजों की सराहना की।

विराट को अभ्यास के दौरान लगी चोट लेकिन फिट, रोहित ने अपटन के साथ बिताया समय

एडीलेड, 9 नवंबर। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के अभ्यास के दौरान मंगलवार को चोटिल होने के बाद बुधवार को स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को नेट अभ्यास के दौरान हर्षल पटेल की गेंद ग्रोइन के पास लगी। इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को होने वाले टी20 विश्व कप सेमीफाइनल से पहले टीम ने हालांकि उस समय राहत की सांस ली जब चोट लगने के कुछ ही मिनटों के बाद कोहली दोबारा मैदान पर अभ्यास करते हुए दिखे।

यह वैकल्पिक अभ्यास सत्र था जिसमें कोहली ने अलग-अलग नेट में 40 मिनट तक बल्लेबाजी की। उन्होंने शुरुआत में रघु से करीब 25 मिनट तक थ्रोडाउन लिया और फिर हर्षल तथा दूसरे नेट गेंदबाजों के खिलाफ अभ्यास किया। हर्षल की तेज गति की गेंद कोहली के कमर के अंदरूनी हिस्से में लगी जिससे वह थोड़े असहज दिखे। इसके बाद टीम के फिजियो और डॉक्टर उनके पास पहुंचे।

राजधानी

'पायलट को सीएम नहीं बनाया तो कांग्रेस के विधायक एक फॉर्च्यूनर में आ जाएंगे'

मंत्री राजेंद्र गुढ़ा का दावा, "राजस्थान में कांग्रेस के 10 से कम विधायक जीतेंगे"

जयपुर, (का.प्र.)। लंबे समय से अपनी अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए सचिन पायलट समर्थक मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने एक बार फिर गहलोत सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा है कि यदि सचिन पायलट को अब भी मुख्यमंत्री बनाया जाता है, तो सरकार रिपीट होने के चांस हैं। वरना एक फॉर्च्यूनर में कांग्रेस के सारे विधायक आ जाएंगे और मिलकर चारों धाम करेंगे। गुढ़ा के बयान को समर्थन देते हुए इस बयान के बहाने कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने एक बार फिर ब्यूरोक्रेसी को निशाने पर लेते हुए कहा है कि ब्यूरोक्रेसी ने ऐसा करने का पढ़ ले रखा है।

■ दिव्या मदेरणा ने लिखा, "नौकरशाही की कार्यशैली से ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस सरकार को एक फॉर्च्यूनर में बैठाने का कोई अखंड संकल्प ले चुकी है"

मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने अपने बयान के जरिए चुनावों में कांग्रेस से 10 से भी कम विधायक जीतकर आने का दावा किया है। गुढ़ा ने कहा है कि सचिन पायलट को सीएम नहीं बनाया तो चुनावों में कांग्रेस के एक कार में बैठने जितने ही विधायक जीतेंगे। गुढ़ा के बयान का कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने भी समर्थन किया। 25 सितंबर के बाद से ही राजेंद्र गुढ़ा और दिव्या मदेरणा कांग्रेस सरकार के खिलाफ तथा ब्यूरोक्रेसी को लेकर काफी मुखर है।

अपने ताजा बयान में राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि सचिन पायलट को बहुत पहले सीएम बना देना चाहिए था। पायलट को सीएम बनाने बहुत लेट हो गए। अब भी पायलट को सीएम बना दिया जाए सरकार रिपीट हो सकती है। अगर सचिन पायलट को सीएम नहीं बनाया तो कांग्रेस के विधायक एक फॉर्च्यूनर में आ जाएंगे। उसमें बैठकर सारे विधायक सबसे पहले चार धाम की यात्रा करेंगे।

गुढ़ा का बयान सामने आने के बाद कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने उनका समर्थन किया है। गुढ़ा की ओर से दिए गए बयान वाले वीडियो को शेयर करते हुए दिव्या मदेरणा ने ट्वीट कर ब्यूरोक्रेसी पर निशाना साधा और लिखा, "नौकरशाही की कार्यशैली से ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस सरकार को एक फॉर्च्यूनर में बैठाने का कोई अखंड संकल्प ले चुकी है।"

उल्लेखनीय है कि 25 सितंबर को जयपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक नहीं होने और समानांतर बैठक के बाद तीन नेताओं शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ को कारण बताओ नोटिस मिले थे। अब डेढ़ महीना गुजर जाने के बावजूद इन तीन नेताओं पर किसी तरह की कार्यवाही नहीं हुई है। ऐसे में संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से बयानबाजी नहीं करने की हिदायत की सीमा अब फिर से टूटने लगी है और सचिन पायलट खेमे के नेताओं के बयान एक बार फिर खुलकर आने लगे हैं।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने जनता के साथ नंगे पांव चलकर किया पैदल मार्च

जयपुर। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी आमेर शहर की टूटी सड़कों, पेयजल आपूर्ति, मुख्यमंत्री बजट घोषणाओं से संबंधित, सफाई एवं रोड लाइट्स व फेज वायर संबंधित मांगों को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं आमेर विधायक डॉ. सतीश पूनिया ने स्थानीय जनता व कार्यकर्ताओं के साथ नंगे पांव पैदल मार्च किया।

डॉ. पूनिया कुण्डा तिराहे से आमेर तहसील तक लगभग तीन किलोमीटर जनता के साथ पैदल चलकर आमेर तहसील पहुंचे, जहां उन्होंने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर टूटी सड़कों को बनाने और पेयजल आपूर्ति सहित विभिन्न मांगें पूरी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि, अगर यह मांगें पूरी नहीं होती है तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

पूनिया ने कहा कि आमेर शहर की प्रमुख सड़क जो तहसील कार्यालय से कुण्डा तक लगभग तीन किलोमीटर की है, वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर है। यहीं पर हैरिटेज साइट भी है, जिसके कारण देशी-विदेशी पर्यटकों का इस सड़क पर निरंतर आवागमन बना रहता है और स्थानीय लोगों को भी बड़ी परेशानी होती है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने बुधवार को आमेर की समस्याओं को लेकर पैदल मार्च किया।

■ विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी आमेर शहर की टूटी सड़कों को बनवाने की मांग

पूनिया ने कहा कि निगम, पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को पत्र एवं दूरभाष द्वारा उक्त सड़क के निर्माण हेतु कई बार वार्ता कर अवगत करवाया है, परंतु सड़क जर्जर हालात में है, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बजट घोषणा 2021-22 के अन्तर्गत नगर निगम हेरिटेज क्षेत्र की सड़कें तहसील ऑफिस से कुण्डा मोड तक बनवाने की घोषणा की थी, लेकिन वह घोषणा करने के बाद भी इस सड़क को बनाने के प्रति उदासीन हैं और मुख्यमंत्री आमेर के विकास कार्यों को लेकर निरंतर भेदभाव कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के शासन को 4 साल होने जा रहे हैं, लेकिन सरकार ना तो पानी दे रही है, ना सड़कें बना रही है और पूरे प्रदेश की कानून व्यवस्था की स्थिति सबके सामने है, मैंने विधायक कोष से आमेर शहर में कैमरे लगवाने के लिए पैसे दिए, लेकिन वह कैमरे भी अभी तक नहीं लगाए हैं।

पैदल मार्च में जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा, प्रधान बद्रीनारायण बागड़ा, हरदेव यादव, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष भगवान शर्मा, मण्डल अध्यक्ष दौलत सिंह शेखावत सहित स्थानीय पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित रहे।

प्रभारी सचिवों को जिलों में भेजा

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में ब्यूरोक्रेसी को लेकर मंत्री-विधायकों की ओर से हमलावर रुख लगातार जारी है। पिछले 6 महीने में अधिकारियों को लेकर कांग्रेस के कई विधायकों ने तीखी बयानबाजी की है कि अधिकारी सुनते नहीं हैं। वहीं वहीं मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और राजेंद्र गुढ़ा ने आईएएस अधिकारियों की एसीआर भरने की मांग भी उठाई है। तमाम बयानबाजी के बीच अब राजस्थान सरकार के सचिवों को जिलों का प्रभारी लगाकर उन्हें 3 दिन तक जिलों में भेज दिया गया है। 3 दिन के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इन सचिवों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर जिलों का फीडबैक लेंगे। खास बात यह है कि सचिवों को विशेष रूप से कहा गया है कि जिलों में जाने की औपचारिकता नहीं निभाएं, बल्कि विधायक या अन्य जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करें और सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की क्या स्थिति है, उसके बारे में भी पूरी जानकारी करें।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हिमाचल प्रदेश के चुनावी दौरे पर जाने से पहले प्रदेश के सभी जिलों के प्रभारी सचिवो को जिलों में रवाना होने के आदेश दिए थे। ऐसे में सभी प्रभारी सचिव बुधवार शाम को जिलों के लिए रवाना हो गए।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, राजगढ़ (चूरू)

E-Mail Address -eonp.sdlp@yahoo.in Phone :- 01559 - 222039

क्रमांकः-न.पा.रा/2022-23/2929 दिनांकः-09.11.2022

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदन पत्रों के द्वारा पट्टा **नामान्तरण/तामिर** स्वीकृति/कृषि भूमि नियमन/खांचा भूमि नियमन/स्टेट ग्रान्ट एक्ट/69ए हेतु आवेदन किया है। जिस किसी व्यक्ति को इस संबंध में आपति हो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस में व लोक सूचना के लिए 07 दिवस में नगरपालिका कार्यालय में लिखित में पेश कर देवे। संपूर्ण जानकारी के लिए नगरपालिका राजगढ़ (चूरू) की भूमि-शाखा कमरा नं. 10 से पता करें। समयावधि निकलने के पश्चात आपति विचारानीय नही होगी। विवरण निम्नानुसार है।

क्र. सं.	पत्रावली	नाम आवेदक 69A की आपत्ति सूचना	क्षेत्रफल	किस्म
1	713/21.10.2022	गुलाब हुसैन पुत्र रमजान, वार्ड नं. 28 नया 36 मोहल्ला धानकान, राजगढ़ (चूरू)	431.03 वर्गमीटर	आवासीय
2	714/21.10.2022	सुरेश पुत्र श्री जगदीश, वार्ड नं. 25 मोहल्ला कुम्हारों का, राजगढ़ (चूरू)	162.72 वर्ग मीटर	आवासीय
3	715/31.10.2022	हनीफ पुत्र गनी खां, वार्ड नं. 22, मोहल्ला नरहड़ियान राजगढ़ (चूरू)	133.77 वर्ग मीटर	आवासीय
4	716/31.10.2022	सफी मोहम्मद पुत्र उम्मेद खां, वार्ड नं. 25 मोहल्ला धीरू खां की ढाणी राजगढ़ (चूरू)	295.03 वर्ग मीटर	आवासीय
5	717/31.10.2022	जमालूदीन पुत्र सारू खां, वार्ड नं. 17 मोहल्ला दमामीयान, राजगढ़ (चूरू)	245.63 वर्ग मीटर	आवासीय
6	718/31.10.2022	मंजू पत्नी श्री संजय कुमार मीणा, वार्ड नं. 05 लाल कुई हनुमान मंदिर के पास, राजगढ़	139.35 वर्ग मीटर	आवासीय
7	719/31.10.2022	सावित्री पत्नी श्री गिरधारीलाल, वार्ड नं. 05 लाल कुई हनुमान मंदिर के पास राजगढ़	171.17 वर्ग मीटर	आवासीय
8	720/31.10.2022	मोहम्मद शादिक पुत्र सफी मोहम्मद, वार्ड नं. 23 फतेहपुरियान कुआं के पास राजगढ़	407.40 वर्ग मीटर	आवासीय
9	721/31.10.2022	खुशी मोहम्मद पुत्र नब्बू खां, वार्ड नं. 39, फतेहपुरियान कुआं के पास राजगढ़ (चूरू)	64.65 वर्ग मीटर	आवासीय
10	722/31.10.2022	मोहम्मद अब्बास कुरैशी पुत्र शोकत अली वार्ड नं. 31 राजगढ़ (चूरू)	171.33 वर्गमीटर	आवासीय
11	723/31.10.2022	मोहम्मद साकिब पुत्र मोहम्मद सरिफ, वार्ड नं. 25, धीरू खां की ढाणी राजगढ़ (चूरू)	133.21 वर्ग मीटर	आवासीय
12	724/07.11.2022	सविता देवी पत्नी श्री मनीष कुमार मीणा राजगढ़ (चूरू)	105.97 वर्ग मीटर	आवासीय
13	725/02.11.2022	रमेश कुमार पुत्र दयासिंह, वार्ड नं. 04 पिलानी रोड के पास राजगढ़ (चूरू)	33.44 वर्ग मीटर	आवासीय
14	726/02.11.2022	हेमंत कुमार सैनी पुत्र सांवरमल सैनी, वार्ड नं. 25 सैन मंदिर के पास राजगढ़ (चूरू)	84.02 वर्ग मीटर	आवासीय
15	727/02.11.2022	लक्ष्मी देवी पुत्र सुखेसिंह, वार्ड नं. 28 नया 36 राजगढ़ (चूरू)	76.54 वर्ग मीटर	आवासीय
16	728/02.11.2022	जुबेदा पत्नी श्री रफीक, वार्ड नं. 21 नरड़ियान मोहल्ला, राजगढ़ (चूरू)	134.97 वर्ग मीटर	आवासीय
17	729/02.11.2022	उल्फत पत्नी श्री नवर खान, वार्ड नं. 21 नरड़ियान मोहल्ला राजगढ़ (चूरू)	133.34 वर्ग मीटर	आवासीय
18	730/02.11.2022	जरीना पत्नी श्री मंजूर, वार्ड नं. 21 मोहल्ला नरड़ियान राजगढ़ (चूरू)	97.32 वर्ग मीटर	आवासीय
19	731/02.11.2022	आबिद बेगम पत्नी श्री मुखतार, वार्ड नं. 21 मोहल्ला नरड़ियान राजगढ़ (चूरू)	148.63 वर्ग मीटर	आवासीय
20	732/02.11.2022	राजेन्द्र पुत्र शीशराम व रविन्द्र पुत्र रामकुमार, वार्ड नं. 10, पोस्ट ऑफिस के पीछे राजगढ़	593.46 वर्ग मीटर	आवासीय
21	733/02.11.2022	शायरा बानो पत्नी श्री सलामुदीन, वार्ड नं. 22 मोहल्ला नरड़ियान राजगढ़ (चूरू)	124.02 वर्ग मीटर	आवासीय
22	734/02.11.2022	ओमप्रकाश सैनी पुत्र श्री सागरमल, वार्ड नं. 29 पुराने वाटर वर्क्स के पास, राजगढ़ (चूरू)	113.58 वर्ग मीटर	आवासीय
23	735/02.11.2022	श्री कृष्ण व सुरेश कुमार पुत्र श्री सांवरमल, वार्ड 29 पुराने वाटर वर्क्स के पास, राजगढ़	124.52 वर्ग मीटर	आवासीय
24	736/02.11.2022	श्री फुलचन्द पुत्र श्री छतुराम, वार्ड नं. 29 मोहल्ला पुराने वाटर वर्क्स के पास, राजगढ़	101.06 वर्ग मीटर	आवासीय
25	737/02.11.2022	नसीम खान पुत्र श्री मो. आमीन, वार्ड नं. 29 पुराने वाटर वर्क्स के पास राजगढ़ (चूरू)	68.89 वर्ग मीटर	आवासीय
26	738/02.11.2022	कुलसुम बानो पत्नी बाबु खां, वार्ड नं. 29, पुराने वाटर वर्क्स के पास राजगढ़ (चूरू)	196.92 वर्ग मीटर	आवासीय
27	739/02.11.2022	सलमा बानो पत्नी अलीशेर, वार्ड नं. 29 पुराने वाटर वर्क्स के पास, राजगढ़ (चूरू)	73.12 वर्ग मीटर	आवासीय
28	740/02.11.2022	हरिराम पुत्र गुगनराम, वार्ड नं. 29, पुराने वाटर वर्क्स के पास राजगढ़ (चूरू)	225.13 वर्ग मीटर	आवासीय
29	741/02.11.2022	मोहम्मद सलीम पुत्र सवाल मोहम्मद, वार्ड नं. 29 पुराने वाटर वर्क्स के पास, राजगढ़ (चूरू)	100.32 वर्ग मीटर	आवासीय
30	742/02.11.2022	रोहताश पुत्र श्री नथूराम, वार्ड नं. 29, पुराने वाटर वर्क्स के पास राजगढ़ (चूरू)	97.90 वर्ग मीटर	आवासीय
31	743/02.11.2022	रजिया बानो पत्नी श्री नबाब खान, वार्ड नं. 29 मोहल्ला वाटर वर्क्स के पास, राजगढ़	92.02 वर्ग मीटर	आवासीय
32	744/02.11.2022	मुस्ताक अली पुत्र श्री आमीन, वार्ड नं. 29 पुराने वाटर वर्क्स के पास राजगढ़ चूरू	77.30 वर्ग मीटर	आवासीय
क्र. सं.	पत्रावली	नाम आवेदक फ्रि-होल्ड पट्टा आपत्ति सूचना	क्षेत्रफल	किस्म
1	01/30.09.2022	राजकरण पुत्र रामानन्द, वार्ड नं. 40 राजगढ़ (चूरू)	260 वर्ग गज	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका, राजगढ़ (चूरू)

डीबी अस्पताल में अव्यवस्था को लेकर भाजयुमो का प्रदर्शन, चिकित्सकों ने किया कार्य बहिष्कार

चूरू, (कासं)। भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष मदन गोपाल बालान के नेतृत्व में राजकीय डीबी अस्पताल में अव्यवस्थाओ के लिए विरोध प्रदर्शन कर अस्पताल अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा।

भाजयुमो के जिलाध्यक्ष मदन गोपाल बालान ने बताया कि अस्पताल में साफ सफाई कि व्यवस्था चरमराई है। जिसे सुचारू रूप से सुधार करें। लैब में जांच उपकरणों की संख्या बढ़ाई जाये ताकि जांच जल्द से जल्द हो सके। वार्ड में सफाई कर्मियों कि संख्या बढ़ाई जाये। बदलते मौसम को देख पर्चियों के पंजीयन काउंटर बढाये जाये। आपालकाल वार्ड के आगे पार्किंग की अव्यवस्थाओं में सुधार करें और डाक्टरों की पार्किंग व्यवस्था अलग की जाये। परिसर में सीसीटीवी केमरा लगवाये जाये। बल्ड बैंक में कैम्प लगवाने के बावजूद मरीज को जरूरत होने पर भी ब्लड नहीं मिल पाता जिस पर ध्यान दिया जाये। सभी वार्डों में बैंडशीट की पर्याप्त व्यवस्था किए जाने संबंधी ग्यारह सूत्री मांगों पूरा करके अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं का

चिकित्सकों ने कार्य का बहिष्कार कर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

विस्तार किया जाने की मांग रखी। इसी दौरान भाजयुमों ने आंदोलन करने की बात कही। जिले के सबसे बड़े अस्पताल में बुधवार को चिकित्सक व भाजयुमो कार्यकर्ता आमने.सामने हो गए दोनों के बीच कई बार जमकर बहस होने से माहौल भी गरमाया।

सूचना मिलने पर सीओ सिटी चूरू राजेंद्र बुरड़क व अस्पताल चौकी प्रभारी अलका विशनोई सहित पुलिस का भारी जाब्ता तैनात रहा। भाजयुमो कार्यकर्ताओं का कहना था कि अस्पताल में सफाई व्यवस्था बिगड़ी हुई है। सफाई नहीं होने से मरीज के परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने अस्पताल परिसर में अस्पताल में अव्यस्था का लेकर नारेबाजी की तो चिकित्साकों ने कार्य बहिष्कार कर दिया। भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने बताया कि अस्पताल आउटडोर के बाहर नारेबाजी करना गलत है। चिकित्सकों ने कार्य का बहिष्कार करने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दीपचंद ने सफाई व्यवस्था को सुधारने की बात कहीं। प्रधान राहड़ ने कहा कि आप लोग कार्य का बहिष्कार कर रहे हो तो अस्पताल में मरीजों को कौन देखेगा। प्रेस वार्ता में भाजयूमो के जिलाध्यक्ष मदन गोपाल ने कहा कि कार्यकर्ताओं ने अस्पताल में लोगों की मांग पर 11 सूत्री मांगों को लेकर अस्पताल में विरोध प्रदर्शन कर अस्पताल अधीक्षक को ज्ञापन देने गये तो प्रदर्शन के दौरान देवतूल्य माने जाने वाले चिकित्सकों द्वारा भाजयूमो के कार्यकर्ताओं पर गुण्डागर्दी करने का आरोप लगाया और चिकित्सकों को कार्य बहिष्कार करना अशोभनीय है। बल्कि भाजयूमो के कार्यकर्ता अस्पताल के बाहर आमजन की समस्याओं को लेकर शांतीपूर्ण व लोकत्रातिंक तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे। चिकित्सकों का कार्यकर्ताओं पर इस तरह का आरोप लगाना बेबूनियाद है।

नगर मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत ने बताया कि जब अस्पताल प्रशासन चिकित्सकों व कार्यकर्ताओं के बीच शांतीपूर्ण वार्ता होने के बाद अस्पताल में हजारों मरीजों को छोड़कर सभी चिकित्सक जिला कलेक्टर को ज्ञापन देने चले गये है। जो गलत बात है। जिसके कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लोग चिकित्सकों को भगवान का रूप मानते है। इस अवसर पर जिला महामंत्री कपिल रक्षक, पूर्व अध्यक्ष विष्णु सोनी, विनायक बागड़ा, रजत शर्मा, दीनदयाल सैनी, आदिल खान, गोविन्द शर्मा, शक्ति सिंह थैलासर, राघव शर्मा, कमल सैनी, राहूल शर्मा, लक्की शर्मा, आकाश मेघवाल, रजत विनायक सहित आदि मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद थे।

बॉक्सिंग प्रतियोगिता का समापन, विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी व मेडल

धानोठी छोटी गांव के उच्च माध्यमिक विद्यालय में बॉक्सिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

सादुलपुर, (निसं)। बुधवार को जिले के उत्तरी छोर पर स्थित गाँव धानोठी छोटी के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 66वीं जिला स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता का समापन हुआ। वहीं माध्यमिक/उच्च माध्यमिक 17/19 वर्ष के छात्र-छात्राओं के अलग-अलग भार वर्ग के फाइनल मुकाबले बुधवार को खेले गए। जिसमें रा.उ.मा. विद्यालय धानोठी छोटी के रौनक व योगेश, रा.उ.मा. विद्यालय ताम्बाखेडी की खिलाडी सोनिका व धापली, गोगासर (रतनगढ) के विद्यालय की आकांक्षा, पहाडसर विद्यालय के आर्यन, भुवाडी विद्यालय के कार्तिक पूनिया विजेता रहे। वहीं विजेताओं को ट्राफी व मेडल से सम्मानित किया गया।

समापन समारोह में ताम्बाखेडी ग्राम पंचायत के सरपंच बलबीर मेहरा, एडवोकेट हरदीप सुंदरिया, चाननमल फौजी, सतीश महला, काशी नायक, रामकुमार खींचड व एडवोकेट महिपाल सुंदरिया सहित बडी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल हुए। विद्यालय प्रधानाचार्य मनोज कुमार ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु सभी का धन्यवाद दिया। वरिष्ठ अध्यापक वासुदेव शर्मा ने मंच संचालन किया। आयोजन में शिक्षक धर्मवीर टांडी, गंगाराम, महेंद्र महला, महावीर जांगिड, वेदपाल पूनिया, जीतेन्द्र, बीरबल राम, धर्मवीर सिहाग, सुल्तान सिंह, अशोक सिहाग, रुघवीर, जगदीश, वेदपाल सुंदरिया सहित पीटीआई मुकेश कुमार और उनकी टीम का सक्रिय सहयोग रहा। विजेता खिलाडी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे।

'कागजों में नहीं, हकीकत में दें अधिकार, तभी सशक्त होगा पंचायतराज'

झुंझुनूं, (निसं)। आगामी बजट के लिए राज्य सरकार द्वारा हर वर्ग के लोगों से चर्चा की जा रही है। इसी क्रम में ग्रामीण जनप्रतिनिधियों के साथ भी जयपुर में चर्चा हुई। जिसमें प्रधान संघ के प्रदेश अध्यक्ष व नवलगढ प्रधान दिनेश सुंडा ने प्रधानों की तरफ से बात रखी और सरकार से निवेदन किया कि आगामी

- **बजट पूर्व चर्चा में दिनेश सुंडा ने रखी प्रधानों की मांग**

बजट में इन मांगों पर ध्यान दिया जाए।

प्रधान सुंडा ने कहा कि कहने को पांच विभाग शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और महिला-बाल विकास विभाग पंचायतराज को दिए हुए है। लेकिन इनके फंड, फंक्शन और फंक्शनरी, कुछ भी पंचायतराज के पास नहीं है। इन्हें पूर्णरूप से पंचायतराज को सौंपे जाए। अक्सर देखने में आता है कि बडे प्रोजेक्ट्स के समय पेड़ों को काट दिया जाता है। काटे गए पेड़ों के बराबर पेड़ ना लगाने से पहले ही इन प्रोजेक्ट्स को सरकार हरी झंडी दे देती है। जबकि नियम यह बनाना चाहिए कि जब तक काटे गए पेड़ों के बराबर पेड़ नहीं लगते। तब तक इन प्रोजेक्ट्स को चलाने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। जिससे ना केवल पर्यावरण संरक्षण को

ग्रामीण जनप्रतिनिधियों के साथ भी जयपुर में आयोजित चर्चा में प्रधान संघ के प्रदेश अध्यक्ष व नवलगढ़ प्रधान दिनेश सुंडा ने भाग लिया।

बढावा मिलेगा। बल्कि प्रोजेक्ट्स संचालक भी गंभीरता के साथ पौधे लगाएंगे। इसके अलावा पौधारोपण, खेल ग्राउंड डवलप और वायर फेंसिंग का बजट विधायक कोष से आवंटन को मंजूरी दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानों की मांग भी काफी समय से लंबित पड़ी है। इस दिशा में भी बजट में घोषणा होनी चाहिए। प्रधानों को अलग से वाहन, चालक, कार्यालय सहायक और पीएसओ उपलब्ध करवाया जाना चाहिए। वहीं प्रधान का मानदेय 8400 रूपए से बढाकर 50 हजार रूपए करने की मांग भी उठाई। वहीं पंचायत समिति सदस्यों का मानदेय भी 2000 रूपए करने तथा बैठक भत्ता प्रति बैठक के हिसाब से देने की बात रखी। मनरेगा एसबीएम योजना में प्रधान का पूर्ण रूप से प्रशासनिक एवं वित्तीय नियंत्रण एवं भागीदारी सुनिश्चित करने, जिला स्तरीय डीएमएफटी की कमेटी में प्रधान को सदस्य बनाने, प्रधान की अनुशंषा पर ग्रामीण इलाकों में डीएफएमटी से विभिन्न आवश्यक कार्य स्वीकृत करने के आदेश जारी करने, प्रधान को राजस्थान हाउस, बीकानेर हाउस, सर्किट हाउस व सभी डाक बंगलों में ठहरने की अनुमति देने, प्रदेश के टोल पर प्रधान के वाहनों को टोल मुक्त करने जैसी मांगों की बात भी रखी।

नेत्र लैंस प्रत्यारोपण शिविर सम्पन्न

रतनगढ़, (निसं)। स्थानीय सूर्य सिनेमा के पास श्री परशुराम अतिथि भवन में बुधवार को श्री गौड ब्राह्मण सेवा समिति रतनगढ, शंकरा आई हॉस्पिटल जयपुर एवं जिला अंधता निवारण समिति जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क मोतियाबिंद जांच एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक अभिनेष महर्षि, समिति संरक्षक संतोष बाबू इन्दोरिया, रूबी महर्षि, अध्यक्ष जयाकांत बिंवाल, कार्यकारी अध्यक्ष गौतम महर्षि, मंत्री रामावतार शर्मा, डॉ. शश्या अग्रवाल, शिविर प्रभारी डॉ. लक्ष्मीनारायण शर्मा, डॉ लीलाधर शर्मा, उषा शर्मा (महिला अध्यक्ष) द्वारा भगवान परशुराम के चित्र का पूजन अर्चन कर किया गया। शिविर प्रभारी शर्मा ने बताया कि शिविर में 148 रोगियों का पंजीकरण किया गया। इनमें नेत्र की बिमारियों एवं दृष्टि दोष का उपचार किया एवं मोतियाबिंद के 46 रोगियों को चिन्हित किया। जिनमे 30 रोगियों को लेंस प्रत्यारोपण हेतु मेडिकल फिट पाया गया। मेडिकल टीम में टीना राठौड, आरती विश्वकर्मा, शिवानी मवासे, अरूणा शेखावत, चंदा यादव ने सेवाएं दी। फिट पाए जाने वाले रोगियों को शंकरा हॉस्पिटल के वाहन से जयपुर ले जाया गया। शिविर में सुरेन्द्र, संदीप, परमेश्वर लाल, ओम प्रकाश, सांवरमल, वासुदेव चाकलान, भवानी शंकर, मुकेश शर्मा, शिवराज सिंह आदि ने सेवाएं दी।

मोहता बालिका विद्यालय में विधिक सेवा दिवस पर शिविर का आयोजन

सादुलपुर, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चूरू के अध्यक्ष (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) बलजीत सिंह एवं सचिव प्रमोद बंसल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चूरू, दीपक पाराशर अध्यक्ष ताल्लुका विधिक सेवा समिति के निर्देशन में राजगढ स्थित मोहता बालिका सीनियर सेकण्डरी विद्यालय राजगढ में विधिक सेवा दिवस पर एक कैंप का आयोजन किया गया।

कैंप की अध्यक्षता लीलूराम सिहाग अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने की। इस अवसर पर उनके साथ अभिलाषा जैफ सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, हर्ष मीणा न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय राजगढ आदि उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. सुशिला बलौदा द्वारा पुष्प गुच्छ भेंटकर न्यायिक अधिकारीगणों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात सिहाग ने उपस्थित बालिकाओं को विधिक सेवा प्राधिकरण की स्थापना, कार्य एवं उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया। इसके अलावा उन्होंने घरेलू हिंसा, मारपीट प्रकरण में एफआईआर दर्ज करवाना एवं बाद की प्रक्रिया के बारे में कानूनी जानकारी दी। तत्पश्चात हर्ष मीणा ने बालिकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि बालिका शिक्षा से दो परिवार

मोहता विद्यालय में विधिक सेवा दिवस पर कैंप का आयोजन के दौरान बालिकाओं को सम्बोधित करती प्राचार्य डॉ. सुशिला बलौदा।

रोशन होते हैं, समाज में महिलाओं की भागीदारी, साईबर क्राईम, एससी, एसटी एक्ट, विभिन्न कानूनी एवं राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी प्रदान की। शिविर से पूर्व प्रभात फेरी का भी आयोजन किया गया।

शिविर के अंत में प्राचार्या डॉ. बलौदा ने न्यायिक अधिकारिगणों का स्कूल में शिविर के माध्यम से छात्राओं को कानूनी जानकारी देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अनिता खींचड एन.एस.एस. प्रभारी, सीमा, शमशेर, तौफिक, सुमेरसिंह सहित स्कूल स्टाफ मौजूद रहा। इसी क्रम में माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सेवा दिवस के अवसर पर यू-ट्यूब के माध्यम से समाज के कमजोर, वंचित एवं पिछडे वर्ग के साथ-साथ बच्चों के हित में प्रसारित वीडियों का प्रसारण किया गया एवं न्यायिक अधिकारीगण एवं स्टाफ द्वारा प्रसारण देखा गया।

विद्यार्थियों को कानूनी जानकारी दी

उदयपुरवाटी, (निसं)। कस्बे के शाकंभरी रोड़ पर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय न्यू उदयपुरवाटी में राजीव गांधी युवा विकास संस्थान कोट की ओर से राष्ट्रीय विधिक साक्षरता दिवस पर विधिक साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाचार्य संगीता मीणा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम संयोजक एडवोकेट मोतीलाल सैनी ने बताया कि लोकतांत्रिक राज्य में समाज के गरीब एवं कमजोर वर्ग के लोगों द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करना उनका नैसर्गिक अधिकार है। देश की विधि के समक्ष सभी को समानता व उनके लिए समान अवसर के आधार पर न्याय को बढ़ावा देने वाली उचित, निष्पक्ष, न्याय प्रक्रिया व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण, निशुल्क व अनिवार्य शिक्षा अधिनियम, चाइल्ड हेल्पलाइन, बाल विवाह निषेध अधिनियम, दहेज प्रथा प्रतिषेध अधिनियम, गुड टच बैड टच, बाल तस्करी सहित विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से संचालित योजनाओं के विषय में बताया गया। व्याख्याता सुभाष चंद सैनी ने बताया कि बाल विवाह एक सामाजिक अभिशाप व कानूनी अपराध है। प्रधानाचार्य संगीता मीणा ने सामाजिक बुराईयों के विषय में जानकारी देते हुए आभार व्यक्त किया।

विभिन्न खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली 15 स्कूलों को ट्रॉफी दी

झुंझुनूं, (निसं)। स्थानीय राजस्थान पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय गणपति नगर में चल रही 66वीं जिला स्तरीय 17 व 19 वर्षीय छात्र-छात्रा खेलकूद प्रतियोगिताओं का बुधवार को विधिवत समापन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पितराम काला मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी झुंझुनूं थे। वहीं अध्यक्षता संस्था सचिव इंजी. पीयूष ढूकिया ने की।

प्रधनाचार्य शुभकरण खीचड ने बताया कि समापन समारोह के अवसर पर विभिन्न खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली 15 स्कूलों को ट्रॉफी दी गई। जिनमें प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल झुंझुनूं, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भैंसावता खुर्द, राकेश एकेडमी सीसै स्कूल पिलानी, टैगोर चिल्ड्रन एकेडमी उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरजगढ, राजस्थानी शिशु विद्या मंदिर उमावि झुंझुनूं, प्रिंस एकेडमी चनाना, राजस्थान पब्लिक उच्च

समापन समारोह के अवसर पर विभिन्न खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली 15 स्कूलों को ट्रॉफी दी गई।

माध्यमिक विद्यालय झुंझुनूं, सरस्वती उच्च माध्यमिक विद्यालय छावसरी, श्योराण उच्च माध्यमिक विद्यालय डूलानियां, झुंझुनूं एकेडमी झुंझुनूं शामिल है। कुल 76 स्वर्ण, 34 सिल्वर, और 19 कांस्य पदक वितरित कर विजेताओं का सम्मान किया गया तथा विजेता संस्थानों को चैंपियनशिप ट्रॉफी

- **प्रतियोगिता समापन पर विजेताओं को बांटे मैडल**

से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संस्था सचिव इंजी. पीयूष ढूकिया ने स्वागत भाषण में अतिथियों का आभार व्यक्त कर सम्मान किया। ढूकिया ने बताया कि खेलों से बौद्धिक क्षमता का विकास होता है। इसलिए विद्यार्थी वर्ग को शतरंज, कुडो और ताइक्वांडो जैसे खेलों में भाग लेना चाहिए। मुख्य अतिथि काला ने बताया कि हमें खेलों में बढ चढकर भाग लेना चाहिए। क्योंकि खेल हमारे शारीरिक व मानसिक विकास में सहायक होते है। इस अवसर पर एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. शिखा सहाय, सुभाष योगी सचिव ताइक्वांडो संघ झुंझुनूं, खेल संयोजक राजकुमार, राजेश मीणा, राजेश नेहरा आदि मौजूद थे।

मतदाता जागरूकता रैली निकाली

पाटन, (निसं)। कस्बे में युवा मतदाताओं को जागरूक करने एवं मतदाता सूची में नाम जुडवाने हेतु मतदाता जागरूक रैली निकाली गई, जो पंचायत समिति सभागार से शुरू होकर कस्बे के मुख्य मार्गो से होते हुए पुन पंचायत समिति पहुंची। इस बारे में तहसीलदार मुनेश सर्वा ने जानकारी देते हुए बताया कि मतदाता सूचियों का नवीनीकरण अभियान शुरू किया गया है जो 8 दिसंबर तक जारी रहेगा। इस दौरान एक जनवरी 2022 तक जो व्यक्ति 18 वर्ष का हो गया है वह व्यक्ति अपने बीएलओ से संपर्क कर मतदाता सूची में नाम जुडवा सकते हैं, जिससे उस व्यक्ति को मतदान करने का अधिकार प्राप्त हो सके। इसके लिए ऑनलाइन व्यवस्था भी शुरू की जा चुकी है वह व्यक्ति ऑनलाइन भी अपना नाम दर्ज करवा सकता है। जागरूकता रैली के दौरान रैली में चल रहे कार्मिकों के हाथ में पोस्टर था जिसको लोगों ने पढा और समझा।

सीताराम प्रजापत पीसीसी ओबीसी प्रकोष्ठ के स्टेट कॉर्डिनेटर मनोनीत

सीताराम प्रजापत पीसीसी ओबीसी प्रकोष्ठ के कॉर्डिनेटर का नियुक्ति पत्र सौंपते अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के चेयरमैन हरसहाय यादव।

सादुलपुर, (निसं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछडा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टेन अजय सिंह यादव के निर्देशानुसार हरसहाय यादव चेयरमेन, अन्य पिछडा वर्ग विभाग ने सिद्धमुख के वार्ड 10 निवासी एवं सामाजिक कार्यकर्ता भामाशाह सीताराम प्रजापत को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछडा वर्ग विभाग के स्टेट कॉर्डिनेटर के पद पर नियुक्त किया है।

इसी दौरान सीताराम प्रजापत ने कांग्रेस पार्टी को मजबूती से आगे बढाने का भरोसा दिलवाते हुए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी प्रकोष्ठ विभाग के प्रदेश कोऑर्डिनेटर बनाए जाने पर राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जून खडगे, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गाँधी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गाँधी, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी अध्यक्ष गोविन्द डोटासरा, राष्ट्रीय अध्यक्ष ओबीसी विभाग कैप्टेन अजय सिंह यादव, ओबीसी विभाग प्रदेशाध्यक्ष हरसहाय यादव, सादुलपुर विधायक एवं राजस्थान क्रीडा परिषद अध्यक्ष पदमश्री डॉ. कृष्णा पूनियां व नेशनल कोऑर्डिनेटर राजेन्द्र सैन का कोटि-कोटि आभार जताया है।

निरीक्षण के दौरान सूरजगढ़ में आठ कर्मचारी गायब मिले, नोटिस जारी

चिकित्सा संस्थान का निरीक्षण करते सीएमएचओ डॉ. राजकुमार डांगी।

- **सीएमएचओ डॉ. राजकुमार डांगी ने विभिन्न चिकित्सा संस्थानों का औचक निरीक्षण किया**

झुंझुनूं, (निसं)। सीएमएचओ डॉ. राजकुमार डांगी ने बुधवार को विभिन्न चिकित्सा संस्थानों का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सीएमएचओ डॉ. डांगी ने दोपहर 2 बनकर 40 मिनट पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूरजगढ औचक निरीक्षण करने पहुंचे। जहां पर आठ कार्मिक हस्ताक्षर करने के बाद मौके पर अनुपस्थिति मिले। जिन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगते हुए चेतावनी दी गई।

सीएमएचओ ने बताया कि निरीक्षण में एएनएम सुनिला कुमारी, संतोष चौधरी, डीईओ राजेंद्र, संजना, अभिषेक एनएचएम लेखाकार झाबरमल, स्वीपर शंकरलाल व मुन्नीदेवी अनुपस्थिति मिले। सीएमएचओ डॉ. डांगी ने सीएचसी प्रभारी डॉ. हरेंद्र को समुचित साफ सफाई करवाने के निर्देश दिए। साथ चिरंजीवी योजना में ज्यादा से ज्यादा मरीजों की टीआईडी बुक कर निशुल्क उपचार देने के निर्देश दिए। सीएमएचओ ने सभी कर्मियों को निर्देशित किया कि कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अब रेगुलर औचक निरीक्षण किए जाएंगे। जिसमें फिर से अनुपस्थित मिलने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। इससे पूर्व सीएमएचओ ने न्यू कॉलोनी डिस्पेंसरी और पुलिस लाइन डिस्पेंसरी का औचक निरीक्षण किया। जहां पर स्टाफ मौजूद मिला। डिस्पेंसरी पर नाम लिखवाने, साइन बोर्ड लगवाने सहित अन्य व्यवस्था सुधार के लिए निर्देश दिए।

कृषि विज्ञान केंद्र, चांदगोठी ने जल शक्ति अभियान के तहत प्रशिक्षण दिया

सादुलपुर, (निसं)। कृषि विज्ञान केंद्र, चाँदगोठी (चूरू) द्वारा जल शक्ति अभियान 'कैच द रेन' ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्त्रोत की स्थिरता सुनिश्चित करने तथा मंत्रालय द्वारा लागू किये जा रहे जल शक्ति अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. आर. के. शिवरान ने बताया की राष्ट्रीय जल मिशन योजना एकीकृत जल संसाधन विकास और प्रबंधन के माध्यम से पानी के संरक्षण, अपव्यय को कम करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इस प्रशिक्षण के मुख्य अतिथि स्वामी ओम सम्पूर्ण स्वतंत्र ने कृषकों से मानसून की शुरुआत से पहले कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण, मौजूदा तालाबों और जल निकायों को पुनर्जीवित करके नए जल निकायों का निर्माण, सूक्ष्म सिंचाई योजना आदि विषयों पर विस्तार में चर्चा की। इस प्रशिक्षण में सिंचाई की ड्रिप प्रणाली की

कृषि विज्ञान केंद्र, चांदगोठी (चूरू) द्वारा जल शक्ति अभियान 'कैच द रेन' कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि स्वामी ओम सम्पूर्ण स्वतंत्र को प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मान करते केन्द्र के वैज्ञानिक।

उन्नत विधि अपनाने को कहा गया, जिसके प्रयोग से सिंचाई जल की पर्याप्त बचत की जा सकती है। यह विधि मृदा के प्रकार, खेत के ढाल, जल के स्त्रोत और किसान की दक्षता के अनुसार अधिकतर फसलों के लिए अपनाई जा सकती हैं। ड्रिप विधि की सिंचाई दक्षता लगभग 80-90 प्रतिशत होती है। फसलों की पैदावार बढने के साथ-सथ इस विधि से उपज की उच्च गुणवत्ता, रसायन एवं उर्वरकों का दक्ष उपयोग, जल के विक्षालन एवं अप्रवाह में कमी, खरपतवारों में कमी और जल की बचत सुनिश्चित की जा सकती है। इस प्रशिक्षण में कृषि महाविद्यालय, चाँदगोठी के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

वहीं प्रधान मंत्री ने भी नागरिकों को जल संरक्षण के लिए हाथ मिलने और स्वच्छ भारत मिशन की तरह एक जन आंदोलन बनाने और भविष्य सुरक्षित करने के लिए आहन किया है। जल शक्ति अभियान के माध्यम से सरकार का लक्ष्य हर घर पीने का पानी उपलबद्ध कराना है तथा इस योजना का उदेशय जल पुनर्भरण और वनीकरण योजनाओं के तहत जल संरक्षण की गतिविधियों में तेजी लाना है। प्रशिक्षण के तहत कृषकों को थारशोभा खेजरी के पौधे वितरित किए गए तथा भूमिगत जल स्तर को सुधारने हेतु हर संभव प्रयास करने को प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर केंद्र के डॉ. अदिति गुप्ता, भवानी शंकर व बहादुर आदि उपस्थित रहे।

पुणे में 20,000 वर्ग में फैली यह भव्य इमारत पेशवा शैली के स्थापत्य का अनुपम उदाहरण है। इस शानदार इमारत का सबसे अद्भुत भाग है इसकी बालकनी। इस इमारत को विश्रामबाग वाड़ा कहते हैं और पेशवा वंश के आखिरी पेशवा बाजीराव द्वितीय यहां रहते थे। हालांकि पेशवा शनिवार वाड़ा में रहते थे लेकिन बाजीराव द्वितीय ने निवास के लिए विश्रामबाग वाड़ा को चुना और 11 साल तक यहां रहे। यह इमारत 1810 में बनी थी। बाद के वर्षों में यह कई कार्यों के लिए प्रयुक्त हुई। ब्रिटिश काल में यहां संस्कृत शिक्षा केन्द्र चलता था। सन् 1930 से 1960 तक इस इमारत में पुणे म्युनिसिपल कॉरपोरेशन का ऑफिस था। आज यहां पोस्ट ऑफिस व कई सरकारी कार्यालय हैं। चूंकि यह तीन मंजिला इमारत है इसलिए इसे तीन चौकी वाड़ा भी कहते हैं। यहां के नक्काशी दार स्तम्भ सागवान की लकड़ी के हैं। इमारत में बड़े -बड़े चौक हैं जहां से भवन का ढांचा और स्थापत्य देखा जा सकता है। परिसर के अंदर कांच के शोकेस हैं, जिनमें पुणे की जानी मानी इमारतों, जैसे युनिवर्सिटी बिल्डिंग, महात्मा फुले मंडाई, तुलसी बाग राम मंदिर, ओहैल डेविड सिनगॉग, पुणे के आर्काइव विभाग की बिल्डिंग आदि की प्रतिकृतियां रखी हैं। यह विशाल इमारत पुणे के समृद्ध इतिहास की झलक देती है। वर्ष 1811 में पेशवा बाजीराव द्वितीय ने यह बिल्डिग बनवाई थी। विशाल प्रवेश द्वार पर सागवान की लकड़ी के नक्काशीदार खम्भे हैं जो आज भी बेहद मजबूत हैं। सायप्रस वृक्षों के आकार के स्तम्भ, अलंकृत छतें, पत्थर का फर्श और प्रवेश द्वार के दोनों तरफ बनी सागवान लकड़ी की गैलरी, देखने वाले को बाजीराव के दौर में ले जाती है। पहली मंजिल पर विशाल दरबार हॉल है जिसकी छत पर बहुत सुंदर नक्काशी है, यहां बड़े-बड़े झाड़फानूस तथा सागवान की लकड़ी के स्तम्भ हैं। इमारत की सुंदर बालकॉनी पर अब किसी को जाने की अनुमति नहीं है, पर सुनते हैं कि यहां बाजीराव के संगीतकार अपनी कला का प्रदर्शन किया करते थे।

गुजरात में पूर्व मु.मंत्री विजय रूपाणी व उनके पांच वरिष्ठ सहयोगी चुनाव नहीं लड़ेंगे

रूपाणी के अलावा पूर्व उप मु.मंत्री. नितिन पटेल, भूपेन्द्र सिंह चुड़ासमा, सौरभ पटेल और प्रदीप सिंह जड़ेजा ने भी चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की

- **विजय रूपाणी ने कहा, मैंने सभी के सहयोग से पांच साल मुख्यमंत्री के रूप में काम किया। इन चुनावों में नए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाए। मैं चुनाव नहीं लडूंगा, मैंने वरिष्ठ नेताओं को पत्र भेजकर दिल्ली को अवगत करा दिया है।**
- **भूपेन्द्र सिंह चुड़ासमा ने कहा, मैं विधानसभा चुनाव नहीं लडूंगा और पार्टी के वरिष्ठ नेता को बता दिया है। मैंने तय किया है कि, अन्य कार्यकर्ताओं को अवसर मिलना चाहिए। मैं अब तक 9 बार चुनाव लड़ चुका हूँ।**

अहमदाबाद, 9 नवम्बर। गुजरात चुनाव से पहले राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। वहीं, नितिन पटेल ने गुजरात भाजपा अध्यक्ष सी.आर. पाटिल को पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि वे भी चुनाव नहीं लड़ना चाहते। इसके अतिरिक्त रुपाणी के करबी चार अन्य मंत्रियों एवं वरिष्ठ नेताओं ने भी चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि मैंने सभी के सहयोग से पांच साल मुख्यमंत्री के रूप में काम किया। इन चुनावों में नए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाए। मैं चुनाव नहीं लडूंगा, मैंने वरिष्ठों को पत्र भेजकर दिल्ली को अवगत करा दिया है। हम चुने हुए उम्मीदवार को जिताने के लिए काम करेंगे। नितिन भाई पटेल ने कहा कि इस बार नए कार्यकर्ताओं को मौका देने के लिए मैं और विजय रुपाणी चुनाव नहीं लड़ रहे हैं।

इन दोनों के अलावा कुछ अन्य भी नाम सामने आए हैं जिन्होंने चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। जैसे विजय रुपाणी सरकार के मंत्री मंडल में शिक्षा और राजस्व मंत्री रहे भुपेन्द्र सिंह चुडासमा चुनाव नहीं लड़ेंगे। खबरों की मानें तो विजय रुपाणी, नितिन पटेल और भूपेंद्र चुडासमा विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ेंगे। इसके साथ ही विजय रूपानी सरकार में मंत्री रहे सौरभ पटेल और प्रदीपसिंह जडेजा के भी चुनाव लड़ने की संभावना कम है।

भूपेन्द्र सिंह चुडासमा ने कहा कि मैं विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा और पार्टी के वरिष्ठ नेता को बता दिया है। मैंने तय किया है कि अन्य कार्यकर्ताओं को अवसर मिलना चाहिए। मैं अब तक 9 बार चुनाव लड़ चुका हूं। मैं पार्टी का आभार व्यक्त करता हूं।

वहीं दूसरी ओर भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और ओ.पी.माथुर बुधवार शाम भाजपा कार्यालय पहुंचे। इसके अलावा गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गुजरात भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल भी इस बैठक में शामिल हुए।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, कर्नाटक के पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा और केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया भी पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि, इस दौरान हिमाचल प्रदेश और गुजरात चुनावों को लेकर रणनीति पर चर्चा हो सकती है।

गहलोत इतने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में थे, तो वे शिमला ही पहुँच गये।

उन्होंने सोनिया गांधी से समय लेने तथा उनके साथ खड़गे से मिलने की भी कोशिश की लेकिन उन्हें इसमें कामयाबी नहीं मिली।

जब से दिल्ली की हवा ज्यादा प्रदूषित हुई है तथा उससे सोनिया गांधी को साँस लेने में परेशानी महसूस हुई है, वे मशोबरा-स्थिति प्रियंका गांधी के निवास में ही रुकी हुई हैं।

प्रियंका गांधी इस समय हिमाचल प्रदेश में प्रचार कर रही हैं क्योंकि राहुल, अपनी भारत जोड़ो यात्रा में लगे होने के कारण, वहाँ प्रचार के लिये नहीं जा सके हैं।

गहलोत ने 11 बार विधायक रहे आदिवासी नेता रथवा के साथ मीटिंग की, लेकिन फिर भी उन्होंने कांग्रेस पार्टी छोड़ ही दी।

जाहिर है, गहलोत उन्हें पार्टी में बने रहने के लिये राजी नहीं कर सके।

यह अशोक गहलोत के कार्यक्रम का एक नमूना मात्र है, जो यह संकेत देता है कि वे गुजरात विधानसभा चुनावों को लेकर कतई गंभीर नहीं हैं तथा वे इनका उपयोग मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कुछ समय और टिके रहने के लिये कर रहे हैं।

शिवसेना नेता संजय राउत सौ दिन बाद जेल से रिहा हुये

मनी लॉण्डरिंग के मामले में स्थानीय विशेष अदालत और मुंबई हाई कोर्ट दोनों ने संजय राउत की जमानत मंजूर की

- **राउत को बुधवार करीब 7 बजे मुंबई की आर्थर रोड जेल से रिहा किया गया। शिवसेना नेताओं ने कहा है कि, जेल से निकलने के बाद राउत को अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा।**

मुंबई, 9 नवम्बर (वार्ता)। मुंबई में एक हाउसिंग प्रोजेक्ट से जुड़े मनी लॉण्डरिंग मामले में बुधवार को एक विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत ने शिवसेना नेता और सांसद संजय राउत को जमानत दे दी। इसके अलावा मुंबई हाई कोर्ट से भी संजय राउत की जमानत मंजूर हो गई। जमानत मिलने के बाद राउत को आर्थर रोड जेल से रिहा कर दिया गया। राउत को शाम करीब 7 बजे जेल से रिहा किया गया। जेल से निकलने के बाद राउत को अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा।

सांसद संजय राउत एक सौ दिनों तक जेल में रहे और आर्थर रोड जेल में ही दशहरा और दिवाली मनाई।

विशेष पीएमएलए अदालत के न्यायाधीश एमजी देशपांडे ने दो नवम्बर को बचाव और अभियोजन पक्ष की दलीलें पूरी होने के बाद अपना आदेश सुनाया। न्यायाधीश ने उसी मामले के सह-आरोपी प्रवीण राउत को भी जमानत दी और दोनों को दो-दो लाख रुपये की जमानत देने के लिए निर्देश दिया। अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आदेश पर एक सप्ताह के लिए रोक लगाने के अनुरोध को भी ठुकरा दिया ताकि ईडी फैसले के खिलाफ अपील दायर कर सके। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह ने ईडी की याचिका पर बहस करते हुए प्रस्तुत किया। कहा हमें आदेश पढ़ने के लिए समय चाहिए, यह एक अनुचित अनुरोध नहीं है। यह अदालत का आदेश है, उसे यह कहने की शक्ति है कि आदेश को बाद की तारीख में प्रभावी किया जाए। अदालत से शुक्रवार तक का समय मांगा। फिलहाल, अदालत ने उनकी इस याचिका को खारिज कर दिया है।

राउत को इस मामले में 31 जुलाई को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया गया था।

नोटबंदी पर जवाब पेश नहीं करने पर सुप्रीम कोर्ट केन्द्र सरकार से बेहद नाराज हुआ

- **केन्द्र सरकार जवाब पेश करने के लिए, सुप्रीम कोर्ट से अभी और समय देने की मांग कर रही थी**
- **सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केन्द्र सरकार को अगले एक हफ्ते की मोहलत दी है और सरकार से जल्द से जल्द जवाब पेश करने के लिए कहा है।**
- **सुप्रीम कोर्ट नोटबंदी की वैधानिकता को चुनौती देने वाली करीब 50 से अधिक याचिकाओं की एक साथ सुनवाई कर रहा है। इस मामले में पिछली सुनवाई गत 12 अक्टूबर को हुई थी।**

नई दिल्ली, 9 नवम्बर (वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने 2016 की नोटबंदी के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विस्तृत हलफनामा दायर करने के निर्देश पर केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया (आर.बी.आई.) के अमल नहीं करने और एक बार फिर अतिरिक्त समय की मांग करने पर बुधवार को उनके प्रति गहरी नाराजगी व्यक्त की।

न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नजीर, न्यायमूर्ति बी.आर.गवई, न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना, न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति बी. वी. नागरथ्ना की संविधान बैंच ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि के अनुरोध पर मामले को फिलहाल स्थगित कर दिया, लेकिन एक सप्ताह के भीतर हलफनामा विस्तृत हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया।

अटॉर्नी जनरल ने इस मामले में एक विस्तृत हलफनामा दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय की मांग करते हुए पिछले निर्देश पर ऐसा नहीं कर पाने के लिए पीठ से माफी मांगी।

बैंच ने इस सुनवाई स्थगन की स्थिति को 'शर्मनाक' बताते हुए केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से एक सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का फिर निर्देश दिया।

शीर्ष अदालत ने स्थगन की अनुमति देने और अगली सुनवाई के लिए 24 नवम्बर की तारीख मुकर्रर करते हुए स्पष्ट कर दिया कि सरकार और आरबीआई को एक सप्ताह के भीतर अपना हलफनामा जमा करना होगा। न्यायमूर्ति नजीर अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा,आम तौर पर संविधान पीठ इस तरह कभी भी स्थगित नहीं होती है। हम कभी ऐसे नहीं उठते। यह अदालत के लिए भी बहुत शर्मनाक है।

विद्याधर नगर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कॉलोनियां कृषि भूमि पर अवैध तरीके से सहकारी समितियों द्वारा काटी गई हैं। उन्होंने कहा कि जेडीए अगर जेम्स कॉलोनी का नियमितकरण नहीं करना चाहती तो वह जयपुर में अवैध रुप से बनी सभी कॉलोनियों को ध्वस्त क्यों नहीं कर देती और क्यों इन्हीं अवैध कॉलोनियों का नियमितिकरण करती है।

विमल चौधरी ने हाईकोर्ट में कहा कि वे पहले भी जनहित याचिका दायर कर सरकार को सरकार की ही जमीन दिलवा चुके हैं। मिसाल के तौर पर जयसिंहपुरा, जहां 75 बीघा जमीन अवैध अतिक्रमण हटाकर सरकार को वापस दिलाई। पृथ्वीराज नगर में कई बीघा जमीन लौटाई है और भट्टा बस्ती में से अवैध अतिक्रमण को हटवाया है, परंतु जेडीए सेंट्रल पार्क की जमीन जिसे सुप्रीम कोर्ट ने भी पार्क की जमीन घोषित किया है उस पर पहले तो बिना लैण्ड यूज चेंज किये होटल बनाने की अनुमति दे देती है और फिर उसी जमीन पर म्यूजियम बनाने की अनुमति भी दे देती है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता का मकान जेडीए के अनुसार अतिक्रमण की गई जमीन पर निर्मित हो, परंतु इस जनहित याचिका में उन्होंने अपनी कॉलोनी को नियमितकरण कराने की गुहार हटा दी है। अदालत ने अपने आदेश में आगे कहा कि जेडीए अब से हर माह अतिक्रमण हटाने के संबंध में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट शपथ पत्र सहित अदालत में पेश करेंगे और अतिक्रमण की शिकायत दर्ज करने के लिये पोर्टल भी बनाएंगे और हैल्पलाइन नम्बर भी जारी करेंगे। अदालत ने यह टिप्पणी भी की कि अगर हर माह रिपोर्ट पेश नहीं की गई तो वे जे.डी.ए. अफसरों को "बुलाएंगे नहीं भेजेंगे।"

'आज़म खान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने कहा कि "तत्काल डिसक्वालिफिकेशन के लिये लोगों का चयन नहीं किया जा सकता, जबकि कुछ अन्य मामलों में, लोगों को काफी देर से अयोग्य ठहराया गया है। चिदंबरम ने दलील दी थी कि 27 अक्टूबर को एक केस में खान की दोष-सिद्धि होने के बाद, उसके अगले दिन ही राज्य विधान सभा ने उनकी सीट को खाली घोषित कर दिया था चिदंबरम ने कहा, "इतनी तेज कार्यवाही अभूतपूर्व थी।" उन्होंने कहा कि यह कार्यवाही राजनीति प्रेरित थी।

खान को अयोग्य घोषित कर दिये जाने के बाद, राज्य भाजपा, रामपुर विधानसभा सीट तथा मुलायम सिंह यादव के निधन के कारण रिक्त हुई मैनपुरी लोकसभा सीट दोनों को ही सपा से छीन लेने की रणनीतियों पर काम कर रही थी। सर्वोच्च न्यायालय का आज का फैसला सत्तारूढ़ भाजपा के लिए एक धक्के या आघात के रूप में आया है, जिसमें मुख्य न्यायाधीश ने चुनाव आयोग द्वारा रामपुर सीट को रिक्त घोषित कर दिये जाने की गम्भीर आलोचना की है। सी.जे.आई. ने कहा, "उन्हें (आज़म खान) को युक्तियुक्त समय दीजिये। इसे (अधिसूचना) को तीन दिन रोकिये। अन्यथा, आप चयनात्मक आधार पर ऐसा कर रहे हैं, जो इस बात पर निर्भर है कि दोषी की राजनैतिक सम्बद्धा क्या है।"

चुनाव आयोग ने शुरू में तो सर्वोच्च न्यायालय की बैंच के सुझाव पर आपत्ति की थी तथा कहा था कि अगर अपीलीय अदालत सजा पर स्टे दे देती है तो खान उपचुनाव के लिये के लिये अपना पर्चा भर सकते हैं। फैल पैनल की तरफ से प्रस्तुत हुये वरिष्ठ वकील अरविन्द दातार ने कहा ने कहा कि एक आपराधिक केस में दोष-सिद्ध हो जाने पर डिसक्वालिफिकेशन तो स्वत: सिद्ध ही था तथा इसलिये खान को राहत नही दी जानी चाहिये। किन्तु सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि चुनाव आयोग द्वारा गजट-अधिसूचना जारी किया जाना 72 घंटे टाला जाये, जिससे खान को अपनी सजा पर स्टे प्राप्त करने की कोशिश करने का अवसर मिल सके।

सौम्या केस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद में कोर्ट के रुख को देखते हुए मतगणना पर अंतरिम रोक लगाने को कहा, लेकिन कोर्ट ने किसी तरह का अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया। इस दौरान राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि सौम्या ने अपने वार्ड के पार्षद पद के उप चुनाव को रोकने के लिए याचिका दायर की है, जबकि चुनाव मेयर पद के लिए होने जा रहे हैं। सौम्या की ओर से कहा गया कि उन्हें मेयर पद से हटाने का आदेश जारी करने में प्रक्रिया का पालना नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने 23 सितंबर को राज्य सरकार को दो दिन तक कार्रवाई नहीं करने को कहा था। इसके तीन दिन तक अवकाश था, लेकिन सरकार ने इसके ठीक अगले दिन आदेश जारी कर दिया। याचिकाकर्ता को अपने विधिक अधिकारों का उपयोग करने का समय भी नहीं दिया गया। गौरतलब है कि ग्रेटर निगम के तत्कालीन आयुक्त यज्ञ मित्र देव सिंह से अभद्रता के मामले में राज्य सरकार ने सौम्या गुर्जर को मेयर पद से बर्खास्त करते हुए उन पर छह साल के लिए चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

गडकरी ने पूर्व. प्र.मंत्री मनमोहन सिंह की भूरी-भूरी तारीफ की

गडकरी ने कहा, देश मनमोहन सिंह की नीतियों एवं कार्यों का सदैव ऋणी रहेगा

- **केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के आर्थिक सुधारों ने देश को एक नई दिशा देने का काम किया।**

नई दिल्ली, 9 नवम्बर। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आर्थिक सुधारों के जरिए देश को नई दिशा देने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की मंगलवार को प्रशंसा करते हुए कहा कि इसके लिए देश उनका ऋणी है। गडकरी ने यहां आयोजित टीआईओएल पुरस्कार 2022 समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 1991 में तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह द्वारा शुरू किए गए आर्थिक सुधारों ने भारत को एक नई दिशा दिखाने का काम किया।

उन्होंने पोर्टल टैक्सइंडिया ऑनलाइन की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में कहा, उदार अर्थव्यवस्था के कारण देश को नई दिशा मिली। उसके लिए देश मनमोहन सिंह का ऋणी है। गडकरी ने मनमोहन की नीतियों से नब्बे के दशक में महाराष्ट्र की सड़कों के लिए पैसे जुटाने में मिली मदद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह की तरफ से शुरू किए गए आर्थिक सुधारों की वजह से वह महाराष्ट्र का मंत्री रहने के दौरान इन सड़क परियोजनाओं के लिए धन जुटा पाए थे।

गडकरी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को एक उदार आर्थिक नीति की जरूरत है जिसमें गरीबों को भी लाभ पहुंचाने की मंशा हो। उन्होंने कहा कि उदार आर्थिक नीति किसानों एवं गरीबों के लिए है। उन्होंने उदार आर्थिक नीति के माध्यम से देश का विकास करने में चीन को एक अच्छा उदाहरण बताया।

गडकरी ने भारत के संदर्भ में कहा कि आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए देश को अधिक पूंजीगत निवेश की जरूरत होगी।

नीरव मोदी की याचिका लंदन हाई कोर्ट से खारिज हुई

नई दिल्ली, 9 नवम्बर। भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को भारत लाने के रास्ता साफ हो गया है। ब्रिटेन की हाईकोर्ट ने उसकी अर्जी खारिज कर दी है। हाईकोर्ट ने कहा कि नीरव मोदी का प्रत्यर्पण गलत नहीं होगा। बता दें कि विशेष पीएमएलए कोर्ट द्वारा दिसंबर 2019 में भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के अनुसार नीरव मोदी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया था। इस वक्त वह लंदन की जेल में बंद है। भारत लंबे वक्त से नीरव मोदी का प्रत्यर्पण चाहता है लेकिन ब्रिटेन में शरण लिए बैठा नीरव मोदी उस एक्शन से बचने के लिए लगातार अलग-अलग तर्क दे रहा है। ब्रिटेन हाई कोर्ट में नीरव के वकील बता रहे हैं कि वो डिप्रेशन का शिकार है और भारत के जेल में जैसी स्थिति है, वहां पर वो सुसाइड भी कर सकता है। इसी तर्क के आधार पर अब तक उसके प्रत्यर्पण का विरोध किया जा रहा था।

खनन क्षेत्रों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने बताया कि प्रथम चरण में 11 नवम्बर से तहसील पहाड़ी के निकट ग्राम नांगल के खसरा संख्या 162 (नया खसरा सं. 211) में ड्रोन सर्वे की कार्यवाही की जाएगी। बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीनिधि बीटी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन सुरेश कुमार यादव, खनिज अभियंता आर.एन. मंगल, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सतीश कुमार, भूरा बाबा, शिवदास बाबा, मुकेश कुमार, नगर, कामां, पहाडी, सीकरी के उपखण्ड अधिकारी एवं पुलिस अधिकारी सहित क्रशर संघ के पदाधिकारी एवं साधु समाज के प्रतिनिधि मौजूद थे।

दक्षिण भारत में राज्यपालों के खिलाफ विद्रोह उफान...

- **राज्यपालों पर केन्द्रीय सरकार की कठपूतली होने का तीनों दक्षिण भारतीय राज्यों की सरकारें आरोप लगा रही हैं, लेकिन राज्यपालों को हटवाने की उनकी मांग पूरी होती नहीं दिख रही।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तेलंगाना में विश्वविद्यालयों में हुई भर्ती को लेकर मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव की टी.आर.एस. की भी कड़ी आलोचना के पात्र बनी हुई हैं।

द्रमुक के मुख पत्र "मुरासोली" ने आज राज्यपाल सौंदरराजन की टिप्पणी का जवाब दिया कि पार्टी का शीर्ष राजनैतिक परिवार तेलुगू मूल का है।

पत्र ने कहा है, "तेलंगाना की राज्यपाल को तमिलनाडु में राजनीति नहीं करनी चाहिये। यह उनका काम नहीं है। (पहले) वे इस्तीफा दें तथा (उसके बाद) तमिलनाडु में राजनीति करें।" पत्र ने आगे कहा कि तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि पहले ही "सीमाएं पार कर रहे हैं तथा गड़बड़ एवं उलझन पैदा करने वाली टिप्पणियाँ कर रहे हैं।"

"मुरासोली" आगे कहता है कि तमिलिसाई सुन्दराराजन को राजनैतिक एवं कानूनी मानकों के अंदर तथा राज्यों के सम्मान एवं गरिमा के अनुकूल काम करना चाहिये।

इस महीने के शुरु में द्रमुक ने "सभी समान विचारधारा वाले सांसदों को" पत्र लिखकर उनसे राज्यपाल आर.एन. रवि को हटाये जाने की माँग का समर्थन करने का अनुरोध किया था क्योंकि वे "संविधान के खिलाफ काम कर रहे हैं।" पार्टी ने कहा था कि उनके काम और टिप्पणियाँ दर्शाती हैं कि वे इस पद के लिये "अनुपयुक्त" हैं। "मुरासोली" ने "समान विचारधारा वाले सांसदों से संबंधित ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का आग्रह किया है।

तमिलनाडु में 20 विधेयक राज्यपाल की स्वीकृति/सहमति की प्रतीक्षा में हैं। अप्रैल में द्रमुक नेताओं ने आर.एन. रवि के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुये कहा था कि वे नीट (एन.ई.ई.टी.) "एग्जेम्प्शन बिल" को राष्ट्रपति के पास नहीं भेज रहे हैं, जबकि राज्य विधानसभा इसे दो बार पारित कर चुकी है।

तेलंगाना में भी वहां की राज्यपाल सौंदरराजन की भी राज्य सरकार से अनबन चल रही है। उन्होंने राज्य की शिक्षा मंत्री सबिता इन्द्रा रेड्डी को तलब किया है ताकि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के अनुरूप, राज्य के सभी 15 विश्वविद्यालयों के लिये साझा भर्ती बोर्ड (कॉमन रिक्रूटमेंट बोर्ड) के गठन के विषय में चर्चा की जा सके।

सौंदरराजन ने पूछा कि पिछले तीन वर्षों में कई रिमांइडर देने के बावजूद रिक्तियां क्यों नहीं भरी गई।

टी.आर.एस. के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने राज्यपाल को एक विधेयक भेजा था। यह उनके पास लम्बित उन आठ विधेयकों में से उनके अनुमोदन के लिए था जिसमें मैडिकल यूनिवर्सिटी को छोड़कर टीचिंग और नॉन टीचिंग पदों पर सीधी भर्ती की मांग की गई थी। इस पर हस्ताक्षर करने से उनके इन्कार ने तेलंगाना विश्वविद्यालय के छात्रों तक को क्रोधित कर दिया था जिन्होंने उन्हें केन्द्र सरकार की कठपुतली बताते हुए इसके विरोध में बुधवार को राज भवन तक जुलूस निकालने की चेतावनी दी।

राज्यपाल सौंदरराजन ने राज्य सरकार पर शिष्टाचार के प्रोटोकॉल का अनुसरण ना करने का भी आरोप लगाया हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस वर्ष गणतंत्र दिवस पर जनता को सम्बोधित करने नहीं दिया गया। उन्हें राज्य विधानसभा के एक संयुक्त सत्र को भी संबोधित करने से वंचित रखा गया।

इसके विरोध में राज्य सरकार का आरोप यह है कि राज्यपाल ने एक कैबिनेट प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया था। इस प्रस्ताव में टी.आर.एस. नेता कौशिक रेड्डी को राज्यपाल कोटे के तहत विधान परिषद का सदस्य बनाने की बात थी।

केरल में आरिफ मोहम्मद खान जब से राज्य के राज्यपाल नियुक्त किए गए हैं, वह सभी से सी.पी.एम. (माकपा) नेतृत्व वाली वाम मोर्चा सरकार को आड़े हाथ लेते रहे हैं। उनका राज्य सरकार के साथ कठोर वाकयुद्ध चल रहा है। उन्होंने एर्नाकुलम गैस्ट हाउस में हुई एक प्रैस ब्रीफिंग में शीर्ष मलयालम टी.वी. चैनल्स के दो पत्रकारों को निष्कासित करके पत्रकारों का भी गुस्सा मोल ले लिया है।

राज्यपाल खान ने दोनों पत्रकारों और उनके चैनल्स पर पिनाराई विजयन सरकार का पक्षपाती होने का आरोप लगाया था। राज्य के पत्रकार संगठन ने इस "अलोक तांत्रिक व्यवहार" के लिए यह कहते हुए उनकी भर्त्सना की कि यह पहली बार नहीं है कि उन्होंने पत्रकारों को प्रतिबंधित किया है। पिछले माह उन्होंने कुछ पत्रकारों और "कॉडर मीडिया" के समाचार संस्थानों के लोगों को बुलाया था और यह आदेश दिया था कि जिस प्रैस कॉन्फैंस को वह संबोधित करेंगे उसमें आने की इन्हें अनुमति ना दी जाए।

पत्रकारों ने आज केरल श्रम जी वी पत्रकार संगठन के बैनर तले विरोध स्वरूप राज्यपाल भवन तक जुलूस निकाला।

सोमवार को खान ने राज्य सरकार को चुनौती दी कि वह उनके ऑफिस में घुसने या सड़क पर उन पर हमला करके बताए। वह सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया (मार्क्सवादी) की उस घोषणा पर अपनी प्रतिक्रिया के रहे थे कि 15 नवम्बर को राज भवन के समक्ष एक भारी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

पार्टी का आरोप है कि राज्यपाल मुख्य विधायी कार्यों में विलम्ब करते रहे हैं।

गत 26 अक्टूबर को वाम पार्टी ने उनके एक आदेश के विरोध में प्रदर्शन किया था। इस आदेश में विश्वविद्यालय के कुलपति से इस्तीफा देने को कहा गया था क्योंकि राज्यपाल इसे कुलीन तंत्र का एक सिस्टम मानते हैं।

माकपा ने मांग की है कि राज्यपाल का पद समाप्त कर दिया जाए। पार्टी की योजना राज्यपाल से संबंधित प्रावधानों पर विचार-विमर्श करने को लेकर विभिन्न पार्टियों की दिल्ली में एक मीटिंग आयोजित करने की है।

कैबिनेट अप्रूवल के बाद भेजे गए विधेयकों को राज्यपाल द्वारा अनुमोदित नहीं किए जाने के कारण पार्टी सुप्रीम कोर्ट जाने पर भी विचार कर रही है।

उसक तर्क है कि राज्यपाल कैबिनेट या विधान मंडल द्वारा लिए गए किसी निर्णय पर किसी अपील प्राधिकारी की भांति कार्य नहीं कर सकते।

संवैधानिक स्थिति यह है कि राष्ट्रपति द्वारा राज्यपाल नियुक्त किए जा सकते हैं या हटाए जा सकते हैं। यदि राज्य मंत्रीमण्डल द्वारा कोई विधेयक स्वीकृति के लिए राज्यपाल के पास भेजा जाता है तो वह उसे वापस भेज सकते हैं और यदि मंत्रिमण्डल उस विधेयक को पुन: उनके पास भेजता है तो राज्यपाल उसे वापस नहीं भेज सकते।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600

MARUTI SUZUKI ARENA

जल्दी करें या मौक़ा गँवाएँ*

सीमित अवधि ऑफ़र्स, सिर्फ़ आपके लिए।

बड़ी बचत **S-PRESSO ₹46 000*** **WAGONR ₹46 000*** **ALTO ₹46 000***

ऑफ़र सिर्फ़ स्टॉक रहने तक मान्य है।

S-PRESSO WAGONR ALTO

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: bharat.mittal@maruti.co.in

AUTHORISED DEALERS: CHURU: AURIC MOTORS: CALL: 01562-250696, 8875010502. **BIKANER: DUDI AUTOMOBILES:** CALL: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR: CALL: 7412075151. **AURIC MOTORS**: CALL: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **AJMER: RELAN MOTORS**: CALL: 0145-2610106, 9214444222. **AJMER AUTO**: CALL: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. **JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** DAUSA: CALL: 9773364861. LALSOT: CALL: 9773364863. BANDIKUI: CALL: 9773364864. MAHWA: CALL: 9773364862. MEHANDIPUR BALAJI: CALL: 9773364865. UNIARA: CALL: 7742944482. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** PHULERA: CALL: 7412077062. SAMBHAR: CALL: 7412068410. ACHROL: CALL: 7412077078. **FORTUNE CARS:** KARAULI: CALL: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: CALL: 9214794314 / 8875007758. **PREM MOTORS PVT. LTD.:** BASSI: CALL: 8058794137. SAWAI MADHOPUR: CALL: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. GANGAPUR CITY: CALL: 8058794021. BAGRU: CALL: 8058401166. KOTPUTLI: CALL: 8058794121. JOBNER: CALL: 8058796065. RENWAL: CALL: 8058600117. RENWAL-MANJHI: CALL: 8058794042. DUDU: CALL: 8058406655. PHAGI: CALL: 8058403338. KANOTA: CALL: 8058794167. TUNGA: CALL: 8058794137. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** TONK: CALL: 9549651924. CHAKSU: CALL: 9549651926. SHAHPURA: CALL: 8696925275. DEOLI: CALL: 8696934957. MALPURA: CALL: 9549650513. NIWAI: CALL: 9667777114. PAOTA: CALL: 9549650495. VIRATNAGAR: CALL: 6350612446. JAMWA RAMGARH: CALL: 6350612727. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** CHOMU: (MORIJA ROAD): CALL: 9772210096 / 9772210906. GOVINDGARH: CALL: 9772210451. **ALWAR: MG MOTORS:** CALL: 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. **SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS**: CALL: 8955559963. **DUDI AUTOMOBILES:** PADAMPUR: CALL: 7412075151. **SIKAR: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: 9785644715. **JHUNJHUNU: AURIC MOTORS**: CALL: 8955664400. **KOTA: BHATIA & COMPANY:** CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE: CALL: 0744-2365092, 9829035100. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION: CALL: 0744-2439000, 9829799009. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.:** KUNHARI: CALL: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: CALL: 9116178527. BHAWANIMANDI: CALL: 9116178557. KHANPUR: CALL: 07430-299240, 8306333715. **JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED:** SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: CALL: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: CALL: 6377715171. AHORE: CALL: 9015900500. SAYLA: CALL: 9015900500. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.:** PRATAP NAGAR: CALL: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. PHALODI: CALL: 9928841300, 9116150669, 9929244402. **L.M.J. SERVICES LTD:** A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: CALL: 8094011123, 8094011151, 0291- 2630478/79/80. **NAGAUR: MANGALAM MOTORS**: CALL: 9116008626, 9116008630. **PALI: L.M.J. SERVICES LTD.:** CALL: 02932 - 256177, 8094011136. **SIROHI: NAVNEET MOTORS:** CALL: 02972-222917-18, 7665010638. **UDAIPUR: NAVNEET MOTORS**: MADRI: CALL: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: CALL: 0294-2415142, 7230046381. **TECHNOY MOTORS:** GOVARDHAN VILLAS: CALL: (0294) 2485158, 2485738, 9982666809. **BANSWARA: NAVNEET MOTORS**: CALL: 9414159145, 7665010632, 7412074100. **BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES**: CALL: 01482-264061, 264144, 09799545333, 09950512555. **CHAMPION CARS**: CALL: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **BHARATPUR: TM MOTORS:** CALL: 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY**: CALL: 9414130799, 9001791753, 9587208999, 9414179006, 9413316117.

*Offer includes consumer offer, retail support, exchange offer and ISL/ Rural offer (wherever applicable) on S-Presso (Petrol- V & V+ variants only), WagonR (1.2 L Petrol- all variants except AGS) and Alto 800 (Petrol- all variants except STD). *Terms & Conditions apply. The terms and conditions are subject to change without any prior notice. All offers are brought to you by Maruti Suzuki dealers only. Offers may vary from variant to variant. All offers shown are valid for limited period & for limited stock only. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Colors shown may vary from actual body colors due to printing on paper. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. Above offers are valid till 30th November 2022 or till stocks last, whichever is earlier.